सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 175 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 09 अप्रैल 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

रेलयात्रा का कहानी भेजें और पाएं नगद इनाम, भारतीय रेलवे ने शुरू की खास योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रेल यात्रा एक रोचक व रोमांचक सफर का अहसास कराता है। भारत में रेलवे का सफर देश के सभी नागरिकों ने किया होगा। रेलवे का सफर किसी के लिए नया नहीं है लेकिन यदि रेल यात्रा के साथ नगद पुरस्कार पाने का मौका मिल जाए तो कैसा रहेगा। रेल यात्रियों को रेलवे ऐसे ही नगद पुरस्कार देने जा रहा है। इसके लिए यात्रियों को अपनी रेल यात्रा की कहानी लिखनी होगी और जिसका भी रेलवे यात्रा के दौरान अनुभव सबसे रोचक होगा उसे भारतीय रेलवे नगद पुरस्कार से सम्मानित करेगी।

दरअसल भारतीय रेलवे ने रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार-2025 की शुरुआत की है। भारतीय रेलवे ने आपके सफर की अनकही कहानियों को मंच देने जा रही है। यदि आपके पास रेल यात्रा का कोई यादगार अनुभव है, जिसे शब्दों में पिरोकर दुनिया के साथ साझा करना चाहते हैं, तो रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना 2025 आपके लिए सुनहरा अवसर है। रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में हिंदी में मौलिक और रोचक यात्रा वृत्तांत लिखने वाले

प्रतिभागियों को प्रथम पुरस्कार 10000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 8000 रुपए, तृतीय पुरस्कार 6000 रुपए और पांच लोगों को प्रेरणा पुरस्कार के रूप में प्रत्येक को 4-4 हजार रुपए दिए जाएंगे। यानी कुल 7 लोगों के पास नगद पुरस्कार जीतने का मौका होगा।

इस पतें पर भेजें प्रविष्टि

अपने शब्दों से अपनी रेल यात्रा के जादू को जीवंत करें और अपने लेखन के से उसे नया आकार दें। इससे आपके लिखने की क्षमता भी बढ़ेगी और पुरस्कार भी जीत सकेंगे। अपनी प्रविष्टि दो प्रतियों में 31 जुलाई, 2025 तक सहायक निदेशक, हिंदी (प्रशिक्षण), कमरा नंबर-316, कॉफ्मो रेल कार्यालय परिसर, तिलक ब्रिज, आईटीओ, नई दिल्ली 110002 के पते पर भेजें।

3000 से 3500 शब्दों के बीच हो कहानी

रेल यात्रा की आपकी कहानी 3000 से 3500 शब्दों के बीच होनी चाहिए, जिसे डबल स्पेस में टाइप किया गया हो और प्रत्येक पृष्ठ पर क्रम संख्या अंकित हो। कुल शब्दों की संख्या भी स्पष्ट रूप से लिखी जानी चाहिए। साथ ही, अपने वृत्तांत के साथ एक अलग पृष्ठ पर अपना नाम, पदनाम, आयु, पता, मातृभाषा, मोबाइल नंबर और ई-मेल जरूर भेजें। यदि आप सरकारी सेवा में हैं, तो आपको प्रमाणित करना होगा कि आपके विरुद्ध कोई अनुशासनात्मक मामला लंबित नहीं है। अन्य प्रतिभागियों को यह पुष्टि करनी होगी कि उनके विरुद्ध कोई आपराधिक मामला विचाराधीन नहीं है। साथ ही सभी प्रतिभागियों को यह घोषणा करनी होगी कि उनकी रचना मौलिक है और इसे पहले किसी अन्य प्रतियोगिता में पुरस्कृत नहीं किया गया है।

खास-खबर

छत्तीसगढ़ व्यापम में 200 पदों पर निकली भर्ती, ग्रेजुएट्स को मौका

रायपुर। पंचायत विभाग में सहायक विकास विस्तार अधिकारी के लिए 200 रिक्तियों की भर्ती की जाएगी। इसके लिए व्यापमं ने ऑनलाइन आवेदन 7 अप्रैल से आमंत्रित किया है। उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक होना चाहिए और आयु 20 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

उम्मीदवारों के लिए 3 से 5 मई 2025 तक करेक्शन विंडो खोली जाएगी। इस भर्ती की परीक्षा 15 जून 2025 को होगी। एडमिट कार्ड 6 जून 2025 को जारी किए जाएंगे। परीक्षा का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिला मुख्यालयों में किया जाएगा। आवेदन करने के लिए मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी या संस्थान से ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। ग्रामीण विकास में पीजी डिग्री व डिप्लोमा होल्डर्स को प्राथमिकता दी जाएगी। आयुसीमा न्यूनतम 20 साल व अधिकतम 30 साल होनी चाहिए। रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार उम्र में छूट दी जाएगी। चयन प्रक्रिया की बात करें तो लिखित परीक्षा के बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होगा। चयनित को लेवल 6, ग्रेड लेवल 2400 छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समय-समय पर प्रसारित आदेशों के अनुसार मंहगाई और अन्य भत्ते दिए जाएंगे। vyapamcg.cgstate.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं।

खुद को बंद कर छात्रा ने लगाई आग, सुसाइड से सदमे में परिजन

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ समय से नाबालिग छात्र-छात्राओं द्वारा आत्महत्या करने के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। छोटी-छोटी बात पर बच्चे मौत को गले लगा रहे हैं। नाबालिग बच्चों द्वारा उठाए जा रहे खौफ्नाक कदम से परिजन में हैरान है। लगातार सामने आ रहे आत्महत्या के मामलों के बीच एक और छात्रा द्वारा आत्महत्या किए जाने की खबर सामने आई है। यहां खैरागढ़ में एक 11वीं की छात्रा ने आत्महत्या कर ली।

मिली जानकारी के अनुसार, 11वीं कक्षा की छात्रा ने खुद को आग के हवाले कर दिया। इस घटना में छात्रा की मौत हो गई। छात्रा ने घर के बाथरूम में जाकर खुद को आग लगा ली, जब तक परिजन पहुंचते छात्रा की मौत हो चुकी थी। इस घटना की जानकारी मिलते ही खैरागढ़ पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि, छात्रा काफी ज्यादा मानसिक तनाव में थी और शायद इसी वजह से उसने ये खौफ्नाक कदम उठाया है।

कम होगी होम, कार व कॉरपोरेट लोन की ईएमआई, 25 आधार अंक तक घटी रेपो दर

■ भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने की घोषणा

नईदिल्ली ए.। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो रेट कटौती का एलान कर दिया है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो रेट में तत्काल प्रभाव से 0.25 फीसदी की कटौती का फैसला सर्वसम्मति से लिया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, 'मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्यों ने नीतिगत रेपो दर को तत्काल प्रभाव से 25 आधार अंकों से घटाकर 6 फीसदी करने के लिए मतदान किया।' इस दौरान गवर्नर ने वैश्विक विकास के लिए नई चुनौतियों की ओर इशारा भी किया।

आरबीआई ने बुधवार को लगातार दूसरी बार प्रमुख ब्याज दर में 25 आधार अंकों की कटौती का एलान किया है। केंद्रीय बैंक के इस फैसले से अमेरिका की ओर से लगाए गए पारस्परिक शुल्कों से प्रभावित अर्थव्यवस्था को सहारा मिलने की उम्मीद बढ़ी है। ब्याज दरों में कटौती के बाद प्रमुख नीतिगत दर यानी रेपो रेट घटकर 6 प्रतिशत हो गई। इस

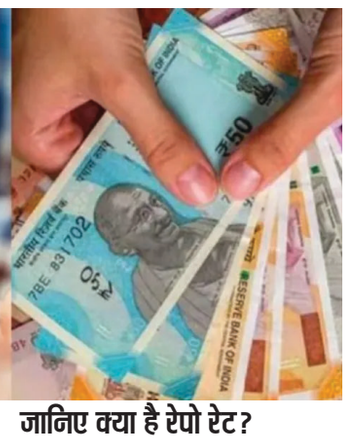

कदम से आवास, ऑटो और कॉर्पोरेट ऋण लेने वालों को राहत मिली।

फरवरी महीने में भी की गई थी 25 आधार अंकों की कटौती

इससे पहले फरवरी में अपनी पिछली नीति में आरबीआई ने रेपो दर को 25 आधार अंकों से घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया था। यह दर मई 2020 में पिछली दर में कटौती के बाद आई थी। दरों में आखिरी संशोधन फरवरी 2023 में हुआ था। जब नीति दर को 25 आधार अंकों से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया था।

जानिए क्या है रेपो रेट?

रेपो रेट वह दर होती है जिस पर RBI बैंकों को कर्ज देता है। बैंक इस कर्ज से ग्राहकों को लोन देते हैं। रेपो रेट कम होने का मतलब है कि बैंक से मिलने वाले होम लोन, कार लोग अब सस्ते हो जाएंगे। हालांकि बैंक ईएमआई में कब तक और कितनी कटौती करेंगे यह उन पर निर्भर करता है। भारतीय रिजर्व बैंक की माद्रिक नीति समिति हर दो महीने के अंतराल पर होने वाली अपनी तीन दिवसीय बैठक में रेपो दर को घटाने, बढ़ाने या स्थिर रखने पर फैसला लेती है।

अमेरिकी टैरिफके झटके बाद जीडीपी वृद्धि के अनुमानों में कटौती

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से नीतिगत दर को 25 आधार अंकों से घटाकर 6.25 प्रतिशत करने का फैसला किया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण आरबीआई ने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर का अनुमान 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय आयातों पर 26 प्रतिशत का भारी-भरकम पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा की थी, जो 9 अप्रैल से प्रभावी होगा। आरबीआई गवर्नर ने वित्तीय वर्ष 2026 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि नीतिगत और व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के कारण वृद्धि अनुमानों में 20 आधार अंकों की कमी की गई है।

दुर्ग में दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या

तेजी से जांच व आरोपी को सजा दिलाने एसआईटी का गठन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के मोहन नगर थाना क्षेत्र में 6 अप्रैल को घटी हृयद विदारक घटना से हर कोई आहत है। सगे चाचा ने मासूम से दुष्कर्म किया और उसकी हत्या कर दी। अब इस मामले में पुलिस ने तेजी से जांच व आरोपी को जल्द से जल्द सजा दिलाने के लिए एसआईटी का गठन किया है। पुलिस का दावा है कि एसआईटी जांच जल्द पूरा कर चालान पेश करेगी और आरोपी को सजा दिलाएगी।

बता दें 6 अप्रैल 2025 को ओम नगर उरला में 6 साल की बच्ची कन्या भोज के लिए गई थी। बच्ची शाम तक नहीं लौटी तो उसकी खोजबीन शुरू हुई। बच्ची की लाश घर के पास कार में मिली। पीएम में बच्ची से दुष्कर्म व हत्या की पुष्टि हुई। इस मामले में पुलिस ने बच्ची के सगे चाचा को गिरफ्तार किया। सगे चाचा ने बच्ची को अपने घर के ऊपर की मंजिल में बने कमरे में ले गया और दुष्कर्म किया। बच्ची को सिगरेट से दागने व इलेक्ट्रिक शॉक देने की बात भी सामने आई। इस घटना के बाद दुर्ग में काफी तनाव का माहौल था। मामले में पुलिस ने पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

अब अपराध की गंभीरता को देखते हुये प्रकरण की सही जांच के लिए टीम बनाई गई है। ये सात सदस्यीय टीम एएसपी आईयूसीएडब्ल्यू पद्मश्री तवंर के नेतृत्व में काम करेगी। टीम के सभी अधिकारी तेजी से मामले की जांच करेंगे। मामले साक्ष्य को इकट्ठा कर चार्ज शीट जल्द से जल्द कोर्ट में चालान के रूप में रखेंगे और कोर्ट से मांग करेंगे की आरोपी को फांसी की सजा दी जाए। टीम में निरीक्षक शिव प्रसाद चंद्रा, थाना प्रभारी मोहन नगर, निरीक्षक श्रद्धा पाठक, थाना प्रभारी महिला थाना, उप निरीक्षक चेतन चंद्राकर, थाना प्रभारी छावनी, उप निरीक्षक पारस ठाकुर, थानां मोहन नगर, सहायक उप निरीक्षक राजेन्द्र देशमुख, थाना मोहन नगर, सहायक उप निरीक्षक संगीता मिश्रा, रक्षा टीम प्रधान आरक्षक लक्ष्मी नारायण पात्रे, थाना मोहन नगर आदि शामिल है।

103 केसों से भाजपा नेताओं को राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरकार ने भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ अलग-अलग जिलों में दर्ज 103 गैर-गंभीर राजनीतिक प्रकरणों की वापसी का निर्णय लिया है। गृह विभाग द्वारा जिलों से प्राप्त रिपोर्ट और विस्तृत समीक्षा के बाद कैबिनेट सब कमेटी की अनुशंसा पर यह फैसला लिया गया।

न्यायालय से विधिवत स्वीकृति मिलने के बाद 41 प्रकरणों में अभियुक्तों को राहत प्रदान की गई, और संबंधित पुलिस रिकॉर्ड से उनके नाम हटा दिए गए। बताया गया कि मुंगेली जिले के 2 प्रकरण को वापस लिया गया है। ये मामले अवनी कश्यप, कताहू उर्फ प्रकाश, जनीराम साहू, महेंद्र साहू और संतोष खांडे के विरुद्ध दर्ज किए गए थे। न्यायालय द्वारा 9 जनवरी 2025 को इस प्रकरण की वापसी की स्वीकृति दी गई। एनएच 130ए पर भाजपा कार्यकर्ताओं

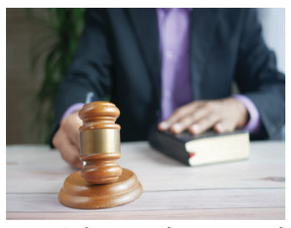

द्वारा विरोध प्रदर्शन कर मार्ग अवरुद्ध करने के मामले में मुकेश रोहरा, राजेश्वर सिंह टंडन, घनश्याम यादव, यश गुप्ता, पंकज सोनी, आनंद देवांगन और राणा प्रताप सिंह के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया था। अदालत 9 जनवरी 2025 को इस प्रकरण की वापसी की स्वीकृति दी गई। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के 2 प्रकरण को वापस लिया गया है। मानपुर स्थित तहसील कार्यालय का घेराव कर सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में हरिश लाटिया, शैलेश उर्फ उमाकांत, भाजेश शाह मंडावी, रेणु टांडिया, मनीष निर्मलकर, भावेश जैन, प्रकाश मिश्रा, राधिका अंधारे, संगीता मिश्रा, कमल किशोर सिन्हा, राजहंस मंडावी, समिम तिगाला, राजा शर्मा,मोहनीस शर्मा, दिनेश मांडवी और अर्जुन जाड़े के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया था। न्यायालय द्वारा 9 जनवरी 2025 को इस प्रकरण की वापसी की स्वीकृति दी गई।

इसी तरह चक्का जाम करने तक छोटी चार पहिया वाहन दोपहिया वाहन की आगमन बाधित करने के आरोप में राजू, मनीष निर्मलकर, राजहंस मांडवी, संजय यादव, रेनू टांडिया, संगीता मिश्रा, राजकुमारी खलको, दिनेश मांडवी, सतीश दुबे, मनीष, शैलेश मिश्रा, राहुल मालेकर, यशवंत मालेकर, रामदेव भुआर्य होरीलाल सोरी, अनिल मेश्राम और दीपक वैष्णव के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया था। नारायणपुर जिले के 1 प्रकरण को वापस लिया गया है।

हुक्का कारोबारी के घर क्राइम ब्रांच की दबिश, 75 लाख का हुक्का सामान जब्त कारोबारी गिरफ्तार

रायपुर। राजीव नगर में हुक्का कारोबारी के घर क्राइम ब्रांच की टीम ने दबिश दी है। इस दौरान टीम को भारी मात्रा में हुक्का का सामान मिला है। जिसकी कीमत लाखों रुपए आंकी गई है। पुलिस ने अब सभी हुक्के का सामान को जब्त कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार, मामला राजीव नगर का है। दरअसल, यहां रहने वाले अशोक मंधानी के यहां पुलिस ने दबिश दी है। बताया जा रहा है कि हुक्का कारोबारी अशोक मंधानी के घर में ताबड़तोड़ रेड के दौरान कई कमरे हुक्के के सामान से भरे हुए थे, जिन्हें व्यवस्थित तरीके से रेक बनाकर रखा गया था।

क्राइम ब्रांच टीम ने लगभग 50 से 75 लाख रुपये का हुक्का संबंधित सामान जब्त किया है। इस सामान में सैकड़ों हुक्का पाट, फ्लेवर और चारकोल के डब्बे शामिल थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने बताया कि छत्तीसगढ़ में हुक्का के सामान का बेचना, खरीदना और पिलाना प्रतिबंधित है, और अशोक मंधानी पहले भी इस तरह के अपराध में दो बार पकड़ा जा चुका है। यह छापेमारी क्राइम ब्रांच खम्हारडीह थाना टीम के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। फ्लिहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफकार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि क्राइम ब्रांच की टीम को हुक्के का सामान ले जाने के लिए तीन गाड़ियां लानी पड़ी।

विधायक रिकेश ने सुप्रीम कोर्ट में बनाया पांच वकीलों का पैनल, आरोपी को दिलाएंगे कड़ी सजा

भिलाई। दुर्ग में 6 वर्ष की बच्ची के साथ दरिंदगीपूर्ण वारदात और हत्या के मामले में आरोपी को कठोर सजा दिलाने के लिए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन दिल्ली पहुंचे। विधायक रिकेश सेन की अपील के बाद दुर्ग जिला बार एसोसिएशन ने आरोपी की ओर से मुकदमे की पैरवी करने से साफइंकार कर दिया है।

आपको बता दें कि दुर्ग जिले की इस घटना ने जहां मानवता को शर्मसार किया है वहीं आरोपी को कड़ी सजा की मांग को लेकर लोग लामबंद हैं। दिल्ली से भिलाई लौट रहे विधायक रिकेश सेन ने बताया कि मैं दिल्ली गया था। हमारी पीड़ित बच्ची जिसके सगे चाचा ने उसके साथ बलात्कार करके हत्या कर दी। बच्ची को न्याय दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के पांच वकीलों का पैनल तैयार किया है और साथ में दुर्ग में एडवोकेट राजकुमार तिवारी और उनकी टीम को हमने तय किया है कि वो लड़ाई लड़ेंगे और निश्चित रूप से आरोपी बच्ची के सगे चाचा को फांसी पर लटकाने के लिए हम कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।

विधायक रिकेश ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के वकीलों का जो सारा खर्च है वह खर्च जनसहयोग से मैं करूंगा और राजकुमार तिवारी उनकी टीम इस सेवा के लिए निःशुल्क सहयोग देगी। मुझे लगता है कि बच्ची को जल्द न्याय मिलेगा। बहुत जल्द सुप्रीम कोर्ट के वकीलों का पैनल दुर्ग पहुंचेगा और इस पूरे केस की स्टडी कर लड़ाई आगे लड़ी जाएगी।

खत्म नहीं होने दी जाएगी न्याय की उम्मीद

श्रीकंचनपथ

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल की ओर से रोके जाने को अवैध बताया है। कोर्ट ने इसे मनमाना कदम मानते हुए कहा कि राज्यपाल को राज्य सरकार के लिए एक दोस्त, दार्शनिक और राह दिखाने वाले की तरह होना चाहिए। राज्यपाल को किसी राजनीतिक दल की तरफ से संचालित नहीं होना चाहिए। राज्यपाल को उत्प्रेरक बनना चाहिए, अवरोधक नहीं। राज्यपाल को इसका ध्यान रखना चाहिए कि राज्य के संचालन में कोई बाधा पैदा न हो। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उन तमाम राज्यों के लिए एक राहत है जहां डबल इंजन की सरकार नहीं है। इससे पहले दिल्ली और छत्तीसगढ़ की सरकारें काफी समय तक हाल दुहाई देती रही हैं कि राज्यपाल विधानसभा द्वारा पारित बिलों को रोककर बैठे हुए हैं पर कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। इन बातों पर मीडिया से लेकर सड़कों तक पर चर्चा हुई और अंत में यह मान लिया गया कि राज्यपाल केवल केन्द्र सरकार की मिजाज पुर्सी के लिए बैठा है। उसे राज्य से, राज्य की निर्वाचित सरकार से और यहां तक कि राज्य के निवासियों की तकलीफ से कोई मतलब नहीं है। कई योजनाएं केवल इसलिए दम तोड़ देती हैं कि राज्यपाल उसे रोककर बैठे रहते हैं। कायदे से विधानसभा में पारित किसी बिल को राज्यपाल या तो मंजूरी देते हैं या फिर मंजूरी रोक देते हैं। कभी-कभी सुझाव के साथ बिल सरकार को लौटा दिया जाता है। विशेष परिस्थितियों में बिल को राष्ट्रपति के पास भेजा जा सकता है। सुझाव के साथ विधानसभा को लौटाए गए बिल यदि दोबारा पारित होकर राज्यपाल के पास पहुंचते हैं तो राज्यपाल को उसे पारित करना ही होता है। हालांकि, विशेष परिस्थितियों में उसे राष्ट्रपति के पास भेजा जा सकता है। पर ये विशेष परिस्थितियां भी सुपरिभाषित हैं। पर देखा यह जा रहा है कि ऐसे राज्यों के राज्यपाल जहां डबल इंजन की सरकार नहीं है, वहां केवल सरकार का कामकाज रोकने के लिए बैठाए गए हैं। वे न केवल बिलों को अनिश्चितकाल के लिए रोक कर बैठे रहते हैं बल्कि इसका कारण तक बताना जरूरी नहीं समझते। तमिलनाडु के मामले में भी पुलिस सेवा से राज्यपाल बने आरएन रवि दस विधेयकों को रोके बैठे थे। इसके विरुद्ध तमिलनाडु सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि राज्यपाल द्वारा इन 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजना अवैध और मनमाना है। यह कार्रवाई रद्द की जाती है। राज्यपाल की सभी कार्रवाई अमान्य है। बेंच ने कहा कि राज्यपाल रवि ने भले मन से काम नहीं किया। इन बिलों को उसी दिन से मंजूर माना जाएगा, जिस दिन विधानसभा ने बिलों को पास करके दोबारा राज्यपाल को भेजा था। इसके बाद कहने सुनने के लिए कुछ भी बाकी नहीं रह जाता। ओहदेदारों को समझना होगा कि उनकी जवाबदारी जनता के प्रति है।

संपादकीय

जैसा नेता होता है वैसी उसकी भाषा होती है

राजनीति में कई तरह के नेता होते हैं, जैसे नेता होता है, उसकी वैसी भाषा होती है। एक ही बात को कई तरह से कहा जा सकता है। कहने वाले की भाषा से ही पता चल जाता है कि वह कैसा है उसका स्वभाव कैसा है, वह किस वर्ग से आता है। वही बात को आक्रामक ढंग से कही जा सकती है, वही बात शालीन ढंग से कही जा सकती है, वही बात इस तरह कही जा सकती है कि जिससे कहा जा रहा है उसे बुरा न लगे। वही बात इस तरह भी कही जा सकती है कि जिससे कहा जा रहा है उसे बुरी लग सकती है।अगर कहने वाला चाहता है कि मेरी बात किसी को बुरी न लगे तो वह बात को इस तरह कह सकता है कि किसी को भी बुरी न लगे, सब उसकी तारीफ करें। अगर कहने वाला चाहता है कि मेरी बात सामने वाले को बुरी लगे, चुभे, तकलीफ हो वह बात को इस तरह से कह सकता है सुनने वाले को भी बुरी लगे, पढ़ने वाले को भी बुरी लगे। सबको बुरी लगे।

अमित शाह के बयान पर कांग्रेस के दो नेताओं ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। एक हैं पूर्व सीएम भूपेश बघेल और दूसरे हैं पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव। दोनों के बयान में जमीन आसमान का अंतर है। और यह अंतर भाषा का है। भूपेश बघेल आक्रामक नेता हैं तो उनकी भाषा में आक्रामकता है और सिंहदेव सौम्य व शालीन नेता है तो उनकी भाषा में शालीनता है। हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के प्रवास पर आए थे।

उन्होंने बस्तर में बयान दिया था कि नक्सली हमारे भाई हैं,जब कोई नक्सली मारा जाता है तो कोई भी खुश नहीं होता है। पहली बार ऐसा हुआ है कि नक्सलवाद और नक्सलियों के विरुध्द सख्त रुख रखने वाले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस बार संवेदनात्मक नजरिए के साथ हथियार छोड़ने का आव्हान किया है।उन्होंने कहा कि नक्सली भाई हथियार छोड़े, मुख्य धारा में शामिल हों। आप हथियार उठाकर अपने आदिवासी भाइयों व बहनों के विकास को नहीं रोक सकते। बस्तर को विकास की जरूरत है, बस्तर ने 50 साल में विकास नहीं देखा है।

अमित शाह ने नक्सली भाई कहा है, यह तो सच है। लेकिन नक्सली भाई क्यों कहा, इसे अलग अलग लोग अलग अलग ढंग से समझ रहे हैं।अमित शाह के पूरे बयान को पढ़ा जाए तो साफ है कि वह बस्तर के विकास के लिए चिंतित है, वह चाहते हैं कि बस्तर का विकास हो। वह तब ही हो सकता है जब नक्सली हथियार छोड़कर मुख्यधारा मे शामिल होंगे। वह साथ में नक्सलियों से यह भी कहते हैं कि अब तुम हथियार उठाकर अपने आदिवासी भाई बहनों के विकास को नहीं रोक सकते, इसका क्या मतलब है। इसका मतलब वह हथियार वाले नक्सलियो को समझा रहे हैं कि हथियार हाथ लेकर पहले भले ही तुमने बस्तर का विकास रोक दिया या प्रभावित किया लेकिन अब ऐसा नहीं कर पाओगे क्योकि तुम तो इसी वजह मारे जाओगे कि हथियार उठाकर तुम बस्तर का विकास रोकना चाहते हो। तुम्हारे इस तरह मारे जाने से बस्तर में कोई खुश नहीं होगा क्योंकि तुम्हारे पास मौका है सरेंडर कर समाज की मुख्य धारा में शामिल होने का।

भूपेश बघेल ने अमित शाह के नक्सली भाई शब्द को ही पकड़ लिया और कहा है कि अनगिनत लोगों का खून बहाने वाले, हमारे जवानों को बलिदान करने वाले कायरों को आपके द्वारा भाई कहना हमारे वीर जवानों व छत्तीसगढ़ के लोगों और देश का अपमान है।नक्सली और भाई एकसाथ नहीं हो सकते। अमित शाह ने और बहुत कुछ भी कहा है लेकिन भूपेश बघेल को अमित शाह की आलोचना करना है, उनको गलत बताना है इसलिए वह उसकी बात नहीं की। भूपेश बघेल आज तक कभी पीएम मोदी व अमित शाह की जरा सी भी तारीफ नहीं की है क्योंकि वह जानते हैं, ऐसा करने पर राहुल गांधी नाराज हो सकते हैं। सब जानते हैं कि भूपेश बघेल ने पिछले पांच साल में सत्ता में रहने के दौरान पीएम मोदी की कड़ी से कड़ी आलोचना राहुल गांधी को खुश करने के लिए भी की थी। शाह नक्सली को भाई इसलिए नहीं कह रहे हैं कि उन्होंने बेगुनाह ग्रामीओं, वीर जवानो, कांग्रेस नेताओं को मारा है,वह नक्सलियों को भाई इसलिए कह रहे हैं कि वह सरेंडर कर समाज की मुख्य धारा से जुड़े और फिर कभी बस्तर में कोई बेगुनाह आदिवासी न मारा जाए, वीर जवान न मारा जाए, कोई कांग्रेसी नेता न मारा जाए। बस्तर का विकास हो सके, आदिवासियों को विकास का लाभ मिल सके।

वही टीएस सिंहदेव भूपेश बघेल की तरह अमित शाह व पीएम मोदी की आलोचना करने को मजबूर नहीं है। वह स्वभाव से शालीन व सौम्य नेता हैं तो वह ऐसी आलोचना भी नहीं करते हैं कि पढ़ने, सुनने में बुरी लगे। टीएस सिंहदेव ने नक्सलियों के खिलाफचल रही सख्त कार्रवाई को लेकर कहा है कि जैसे प्रभु श्रीराम ने रावण को समझाया, समझाने पर भी रावण ने बात नहीं मानी तो युध्द का मार्ग अपनाया। वैसा ही आज साय सरकार नक्सलियों के साथ कर रही है। सिंहदेव ने कहा कि सरकार ने नक्सलियों को मुख्यधारा से जुड़ने के कई अवसर दिए,लेकिन जब नक्सलियों ने हथियार उठाए तो सरकार को भी मजबूरी में हथियार का जवाब हथियार से देना पड़ा।

सिंहदेव ने यह भी कहा है कि यह कोई नई नीति नहीं है। यह तो पुरातन काल से चली आ रही परंपरा है। राजतंत्र हमेशा शांति चाहता है, जब शांति की बात नही मानी जाती है तो ताकत का इस्तेमाल करना पड़ता है। भूपेश बघेल व सिंहदेव के बयान में फर्क यह है कि भूपेश बघेल ने अमित शाह के खिलाफ बयान दिया है और सिंहदेव ने सरकार के पक्ष में बयान दिया है कि सरकार जो कर रह है सही कर रही है क्योंकि हमेशा यही किया जाता रहा है,यही किया जाना उचित है।

बेहतर स्वास्थ्य ही मनुष्य की सर्वाधिक मूल्यवान संपदा

आनन्द चौबे

बेहतर स्वास्थ्य को मानव जीवन के विकास की कुंजी माना जाता है। भारतीय मान्यताओं में मनुष्य के 'पहले सुख' के रूप में 'निरोगी काया' को ही निरूपित किया गया है। कहावत प्रचलित है, 'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है'। ऐसे में हम कह सकते हैं कि स्वास्थ्य ही मनुष्य की सर्वाधिक मूल्यवान संपदा है।

स्वास्थ्य के अनेक संकेतक बताते हैं कि विकसित और विकासशील राष्ट्र सभी अपने-अपने तरह की स्वास्थ्य चिंताओं से घिरे हैं, और इनसे निकलने के लिए प्रयासरत हैं। अनेक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के बावजूद संचारी और गैर-संचारी बीमारियों का दायरा अभी भी बहुत व्यापक है। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में भले ही कमी आई हो परंतु आज भी बड़ी संख्या में माताओं और बच्चों की प्रसव संबंधी कारणों से मृत्यु हो रही है। इन चिंताओं के प्रति सजगता पैदा करने के उद्देश्य से डब्ल्यूएचओ की पहल पर प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

वर्ष 2025 के लिये डब्ल्यूएचओ ने मातृ और शिशु स्वास्थ्य को गंभीर मुद्दा मानते हुए 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य' जैसी संवेदनशील विषय पर थीम रखी है। इस वर्ष की थीम सुनिश्चित करने का प्रयास है कि माताओं और नवजात शिशुओं को जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं मिलें ताकि भविष्य में आने वाली पीढ़ी स्वस्थ और सशक्त हो। भारत के दृष्टिकोण से स्वास्थ्य सेवाओं को देखने से एक लंबा एवं प्रभावकारी बदलाव दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के विभिन्न कार्यक्रमों ने मनुष्य के स्वास्थ्य को बेहतर बनाया है। लेकिन इसके बाद भी प्रत्येक वर्ष भारत में गर्भावस्था-प्रसव से जुड़े कारणों से लगभग बीस हजार महिलाओं की मृत्यु हो जाती है।

आश्चर्यजनक बात यह है कि इन मौतों में से अधिकांश ऐसे कारणों से हो रही हैं, जिन्हें सजगता, सावधानी और ससमय उपाय करके रोका जा सकता है। कवि सोहन लाल द्विवेदी ने कहा है, 'असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो, क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।' इससे प्रेरणा लेकर स्वास्थ्य सेवा तंत्र, संगठन और हर जिम्मेदार नागरिक को अपने दायित्वों के प्रति विचार करना चाहिए और आवश्यक पहल कर सुधार प्रक्रिया का सारथी बनना चाहिए।

अधिकांश लोग इस बात से अनभिज्ञ हैं कि एक महिला गर्भकाल में किन-किन स्वास्थ्य चुनौतियों जैसे मैटरनल एनिमिया, प्रग्नेंसी के कारण हाइपरटेंशन, डायबिटीज और अन्य संक्रमण और बीमारियां, जो पहले से मौजूद होती हैं जैसे हेपाटाइटिस, एचआईवी, थायराइड, हृदय रोग एवं अन्य संचारी-गैर संचारी संक्रमणों-बीमारियों से गुजरती है। इन सब बीमारियों-संक्रमण की समय रहते जांच करा क र महिला एवं बच्चे को स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है।

गर्भावस्था के दौरान बीपी और शुगर बढ़ने का असर मां के स्वास्थ्य पर तो पड़ता ही है, जन्म लेने वाले बच्चे को भविष्य में हाइपरटेंशन और डायबिटीज होने की आशंकाएं भी इसी काल में जन्म लेती हैं। यदि हम नवजात शिशु के स्वास्थ्य की शुरुआती देखभाल की बात करें तो सर्वप्रथम उसे 'मां का पहला दूध (कोलोस्ट्रम)', पहले छह माह 'पूर्णत: स्तनपान', छह माह के बाद 'स्तनपान भी, आहार भी', 'अनिवार्य टीके' और आवश्यक 'पोषण' दिया जाना महत्त्वपूर्ण है। जन्म के पहले 1000 दिन (गर्भधारण से लेकर 2 साल तक) बच्चे के स्वास्थ्य के लिए महत्त्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान देखभाल से मां के साथ-साथ बच्चे को भविष्य में कुपोषण, निमोनिया-डायरिया, मोटापा (चाइल्डहुड ओबेसिटी) जैसे रोगों से बचाया जा सकता है।

आज के दिन मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य की बात हो रही है, तो बताना जरूरी है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम, टीकाकरण तथा अन्य विभागों द्वारा एनिमिया-मुक्त भारत, राष्ट्रीय पोषण मिशन, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना जैस कार्यक्रम चला कर व्यापक स्तर पर बदलाव लाने की कवायद की जा रही है।

गर्भवती महिलाओं को गर्भकाल में निःशुल्क अल्ट्रासाउंड की सेवाएं सरकारी सेवा केंद्रों के साथ-साथ प्रत्येक माह की 1, 9, 16 एवं 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस में वाउचर जारी कर निजी क्षेत्र के अल्ट्रासाउंड केंद्रों से उपलब्ध कराई जा रही हैं। आवश्यकता इस बात है कि गर्भधारण होते ही शीघ्र पंजीकरण, चार अनिवार्य जांचें, अल्ट्रासाउंड, आयरन व कैल्शियम की गोलियों का नियमित सेवन करने के लिए महिलाएं स्वयं तैयार हों एवं उन्हें परिवार का समर्थन भी मिले। स्वास्थ्य मौलिक अधिकार है, और इसे सुनिश्चित करने के लिए सरकार के साथ-साथ सभी नागरिकों-संगठनों को यथासंभव अपने स्तर से स्वास्थ्य सेवाओं की ग्राह्यता बढ़ाने के लिए पहल करनी होगी। तभी हम सशक्त राष्ट्र के निर्माण का सपना पूरा होता देख सकेंगे।

(ये लेखक के विचार हैं)

नया कश्मीर नई लाइफ लाइन परियोजना

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना यानि यूएसबीआरएल भारतीय रेल के स्वर्णिम भविष्य का एक चमकता हुआ अध्याय है। जो देश के हर हिस्से को कश्मीर तक की अबाध यात्रा के मार्ग से जोड़ रही है। यह राष्ट्रीय परियोजना न केवल देश की इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रदर्शन है, बल्कि यह जम्मू-कश्मीर की भौगोलिक चुनौतियों पर विजय का प्रतीक भी है।

विकास के पुल से जुड़े पहाड़ों के दिल

हिमालय की ऊंचाइयों में चल रहे प्रोजेक्ट का सबसे चमकदार मोती है चिनाब ब्रिज। जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल है। यह पुल समुद्र तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जो एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है और कुतुब मीनार से पांच गुना ऊंचा। 266 किलोमीटर प्रति घंटे चलती हवा की रफ्तार को भी चिनाब ब्रिज आसानी से झेल सकता है।

96 केबल के सहारे निर्मित 725 मीटर लंबा अंजी खड्ड ब्रिज देश का पहला केबल आधारित रेल ब्रिज है। कटरा-बनिहाल रेल खंड का हिस्सा ये पुल समुद्र तल से 331 मीटर ऊपर है। यह अद्भुत संरचना न केवल भारतीय रेल की उपलब्धियों की गाथा गाती है, बल्कि कश्मीर घाटी को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का भी वादा करती है।

आकर्षक इंजीनियरिंग और साहस की मिसाल

यूएसबीआरएल को भारतीय रेल के लिए एक 'आर्किटेक्चरल वंडर' माना जा रहा है। इस परियोजना की लंबाई 272 किलोमीटर है। जिसका अधिकांश हिस्सा दुर्गम पहाड़ियों, बर्फीले इलाकों और गहरी घाटियों से होकर गुजरता है। इसमें 943 छोटे-बड़े पुल और 36 मेन सुरंग शामिल हैं। जिसमें भारत की सबसे लंबी रेलवे सुरंग टी-50 भी है जो करीब 12.77 किलोमीटर है। भारत के सबसे कठिन रेल निर्माण प्रोजेक्ट में से एक यूएसबीआरएल की लागत करीब 42 हजार करोड़ रुपए है।

आर्थिक विकास से राष्ट्र सुरक्षा तक का सेतु

यूएसबीआरएल न केवल भारत के लिए सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए भी मील का पत्थर साबित होगी।

रोजगार के अवसर: परियोजना के निर्माण के दौरान हजारों लोगों को रोजगार मिला और इसके संचालन के बाद भी कई स्थानीय निवासियों को रोजगार मिलेगा।

पुख्ता राष्ट्र सुरक्षा: रेल लिंक से न केवल सेना की त्वरित आवाजाही संभव होगी, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में संसाधनों की तेज आपूर्ति भी सुनिश्चित होगी।

आर्थिक विकास: रेल लिंक से कश्मीर घाटी में व्यापारिक गतिविधियां तेज होंगी, जिससे कृषि उत्पादों, शिल्प और स्थानीय उद्योगों को बड़े बाजारों तक पहुंच मिलेगी।

पर्यटन को बढ़ावा: इस रेल लिंक के जरिए कश्मीर में पर्यटन को नई ऊंचाई मिलेगी। पर्यटकों के लिए घाटी तक पहुंचना आसान और किफायती होगा।

उम्मीदों की पटरी

यूएसबीआरएल न केवल रेल की पटरी है, बल्कि यह उन उम्मीदों का मार्ग है, जो कश्मीर के भविष्य को उज्जवल बनाने की ओर अग्रसर है। इसमें ऐसे कई महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन हैं जो जम्मू कश्मीर की तरक्की, सुरक्षा, सुविधा और समृद्धि को सुगम करते हैं। 'कश्मीर घाटी का प्रवेश द्वार' कहे जाने जाने वाला काजीगुंड स्टेशन दक्षिणी कश्मीर को शेष क्षेत्र से जोड़ने की अहम कड़ी है। पंपोर, श्रीनगर, सोपोर, अनंतनाग जैसे रेलवे स्टेशन घाटी के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों में से एक है।

वहीं रियासी और कटरा रेलवे स्टेशन का विश्व प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी मंदिर के निकट होने के कारण इसका महत्व बढ़ जाता है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना सिर्फ एक रेल संपर्क नहीं, बल्कि कश्मीर घाटी को भारत के बाकी हिस्सों से मजबूती से जोड़ने वाला एक ऐतिहासिक कदम है। भारतीय रेल ने इस परियोजना के साथ कश्मीर घाटी को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने की जो प्रतिबद्धता जताई थी, वो जमीन पर साकार हो रही है।

तकनीकी गौरवः समुद्र पर पंबन रेल ब्रिज

विवेक रंजन श्रीवास्तव

देश के मुख्य भू भाग से रामेश्वरम को बढ़ते यातायात की आवश्यकताओं को देखते हुए, भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों से बंद पड़े पुराने पंबन ब्रिज के समानांतर एक नया आधुनिक पुल बनाया है , जिसका उदघाटन रामनवमी के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है।

नया पंबन ब्रिज 2.1 किलोमीटर लंबा है और इसमें कुल 100 स्पैन हैं, जिनमें से 99 स्पैन 18.3 मीटर लंबे हैं तथा एक मुख्य नेविगेशनल स्पैन 72.5 मीटर लंबा है। इस स्पेन की विशेष बात इसका वर्टिकल लिफ्ट है, जो भारत में अपनी तरह का पहला है। यह स्पैन 17 मीटर तक ऊंचा उठ सकता है, जिससे बड़े जहाज और नौकाएं समुद्र में पुल के नीचे से गुजर सकती हैं। यह प्रणाली अत्याधुनिक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल तकनीक पर आधारित है, और रेलवे नियंत्रण प्रणाली के साथ पूरी तरह इंटरलॉक्ड है, जिससे इसकी संचालन प्रक्रिया बेहद सुरक्षित और सटीक होगी ।

नए पुल के निर्माण में लगभग 535 करोड़ रुपये की लागत आई है। इसमें 3.38 लाख सीमेंट बैग, 4,500 मीट्रिक टन संरचनात्मक स्टील और 5,772 मीट्रिक टन स्टेनलेस स्टील का उपयोग किया गया है। पुल के टावरों की ऊंचाई 34 मीटर है और इसका डिजाइन भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार तैयार किया गया है कि इसे डबल लाइन व विद्युतीकरण के अनुकूल आसानी से परिवर्तित किया जा सकेगा । यह लोहे का पुल है अत:, समुद्री जल के संक्षारण से बचाव के लिए विशेष पेंटिंग तकनीक अपनाई गई है, जिससे इसकी उम्र और टिकाऊपन में वृद्धि होगी।

इस ब्रिज का महत्व केवल इंजीनियरिंग की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से भी बहुत अधिक है। यह रामेश्वरम जैसे धार्मिक स्थल को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ता है और पर्यटन, व्यापार तथा स्थानीय मछुआरों की आजीविका को भी सशक्त करता है।

पुराना यातायात हेतु बंद पंबन ब्रिज और नया पंबन ब्रिज दोनों ही भारत की इंजीनियरिंग प्रतिभा, संकल्प शक्ति और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक हैं। जहां पुराना पुल भारतीय रेलवे की शताब्दी पुरानी सेवा का साक्षी है, वहीं नया पुल आधुनिक भारत के आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सक्षम राष्ट्र की छवि को प्रस्तुत करता है।

जब कोई यात्री पंबन ब्रिज से गुजरेगा तो वह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति और आधुनिकता के मिलन बिंदु से होकर गुजरेगा। तब समुद्र पार करने का उसका अनुभव न केवल भौतिक यात्रा का हिस्सा होता है, बल्कि रामेश्वरम की धार्मिक, अध्यात्मिक और अपने उन्नयन की आत्मिक यात्रा का भी प्रतीक बन जाता है। परोक्ष रूप से यह नया पुल इस क्षेत्र में भारत की सामरिक तथा व्यापारिक क्षमताएं भी बढ़ाने का कार्य करेगा।

टेक्नालॉजी ड्रिवन एप्रोच से होंगे बड़े बदलाव

जीएस केशरवानी

एक समय मध्यप्रदेश का हिस्सा रहे छत्तीसगढ़ को पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी ने नए राज्य का दर्जा दिया तब उन्होंने एक ऐसे राज्य की कल्पना की थी जहां हर व्यक्ति तक योजनाएं पहुंचे, हर स्तर पर पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन हो। उनकी इसी कल्पना को साकार करने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राज्य के लोगों की सेवा के लिए सुशासन की स्थापना को लक्ष्य बनाया है।

लोकतंत्र का सही मायने में अर्थ है पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन, इसी लक्ष्य को लेकर सत्ता में आयी विष्णुदेव साय की सरकार ने पिछले एक साल में मोदी की गारंटी को तेजी से पूरा किया है। इसके साथ ही इस सरकार ने प्रशासन में पारदर्शिता लाने के लिए टेक्नालाजी ड्रिवन एप्रोच को अपनाया है। सुशासन की इसी अवधारणा को जमीनी धरातल में उतारने के लिए राज्य सरकार ने सुशासन तिहार शुरू किया है। लगभग दो माह में चलने वाले इस राज्यव्यापी अभियान में लोगों की समस्याओं के निराकरण के साथ ही लोगों की जनाकांक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को दिशा दी जाएगी।

सुशासन तिहार के इस राज्य व्यापी अभियान के पहले चरण में आम जनता से उनकी मांगों समस्याओं के संबंध में आवेदन 8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक लिए जाएंगे। इसके बाद दूसरे चरण में लगभग एक माह तक आवेदनों का निराकरण होगा। तीसरे और अंतिम चरण में 5 मई से 31 मई तक समाधान शिविरों का आयोजन होगा। सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री और अधिकारी राज्य के विभिन्न हिस्सों में आकस्मिक निरीक्षण कर योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लेंगें और जिला स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। इस पूरे अभियान का उद्देश्य प्रशासन को और अधिक जवादेह और पारदर्शी बनाना है।

राज्य सरकार ने सत्ता में आते ही सुशासन और अभिसरण का गठन किया। इस नए विभाग के माध्यम से सभी स्तरों में पारदर्शी और जवाबदेही व्यवस्था सुनिश्चित करने के कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंत्रीमण्डल के सभी सदस्यों को प्रबंधन के गुर सिखाने के लिए आई.आई.एम में प्रशिक्षण दिया गया। सुदुर वनांचल में सुशासन की राह में बाधा बने माओवादियों पर अब तक की सबसे कड़ा प्रहार इस सरकार ने किया है। केन्द्र सरकार के सहयोग से इस डबल इंजन की सरकार ने पिछले 15 महीनों में ही साढे तीन सौ से अधिक नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। लगभग दो हजार से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। माओवाद आतंक के कलंक को दूर करने के लिए देश की सबसे अच्छी पुनर्वास नीति लागू की है। इन सबका परिणाम यह निकल रहा है कि मार्च 2026 से पहले ही माओवाद की विदाई लगभग तय है।

सुशासन लाने के लिए सरकार एक और परम्परागत तरीकों के साथ ही आईटी के इस्तेमाल को भी बढ़ावा दे रही है। राज्य में अधिकांश योजनाओं में डीबीटी के माध्यम से हितग्राहियों के खाते में राशि ट्रांसफर की जा रही है। इसके अलावा आफिस के काम-काज में तेजी लाने के लिए सभी विभागों में चरण बद्ध ढंग से ई-आफिस प्रणाली लागू की जा रही है। सरकारी काम काज में टेक्नालाजी ड्रिवन एप्रोज निश्चित रूप से सुशासन के लक्ष्य की प्राप्ति में बड़ी भूमिका निभाएगा। आगे आने वाले दिनों में प्रशासन में काफी बदलाव नजर आएगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

बीएसपी-सीएसआर द्वारा ग्राम दफई में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर के अंतर्गत कुटेष्वर लाइम स्टोन माइन्स के समीपस्थ ग्राम दफ्ई में 07 अप्रैल 2025 को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस चिकित्सा शिविर में कुल 98 लोगों की जांच करके उनको दवाई का वितरण किया गया, जिनमें 63 महिला व 35 पुरूष शामिल थे। प्रातः 10 बजे से प्रारंभ हुए इस शिविर में सामान्य जांच के अतिरिक्त शुगर, बीपी की निःशुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। शिविर के आयोजन में डॉ मोहम्मद जहूर, फार्मासिस्ट मोसेस तिग्गा सहित कुटेष्वर माइंस की डिस्पेंसरी टीम ने अपना सहयोग प्रदान किया। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की निःशुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा, सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए, निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय तथा खनिज क्षेत्रों में किया जा रहा है।

ग्रामीण बच्चों ने अपनी आंखों से देखे जुपिटर और उसके चार चांद

भिलाई। अंधविश्वास के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के अंतर्गत दुर्ग से तकरीबन 25 किलोमीटर दूर स्थित गांवों डुंडेरा और पुरई के राष्ट्रीय भारती स्कूल और नवमंगल स्कूल के बच्चों ने शनिवार 5 अप्रैल की शाम टेलिस्कोप से आसमान पर दुर्लभ नजारा देखा। यहां बच्चों को खगोलीय घटनाओं से अवगत कराया गया और इस बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान बच्चों ने यह देखा जाना और समझा कि किस तरह कुछ ठग व्यक्ति, अपने को पहुंचा हुए बाबा बताते हुए चमत्कार दिखाने की घोषणा करते हैं और खुद को अलौकिक शक्तियों का स्वामी बताकर उनके मन की बात या बिना खोले किसी बंद कागज के अंदर की बात बताने का दावा करते हैं, जो कि पूरी तरह फर्जी है। छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा भिलाई इकाई और भिलाई स्टील प्लांट के अधिकारियों के संगठन डॉ अंबेडकर एग्जीक्यूटिव फ्रेटरनिटी के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इन कार्यक्रमों में उक्त प्रदर्शन पूर्व अपर कलेक्टर और विज्ञान कार्यकर्ता विश्वास मेश्राम ने कथित चमत्कारों की पोल खोल दी । उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि विज्ञान का मतलब किताबी ज्ञान बस नहीं होता बल्कि सवालों के जवाब खोजना और दिए गए जवाबों पर प्रश्न उठाना होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को सचेत किया कि भारतीय समाज में हमारे सौर मंडल के शनि और मंगल ग्रह के बुरे ग्रह होने के बारे में व्याप्त बातें केवल झूठी बातें हैं और इसकी आड़ में कुछ चालाक और धूर्त लोग, सरल सीधे लोगों को ठगने और पैसे कमाने का काम करते हैं।

जिला दुर्ग में सुशासन तिहार का हुआ आगाज गांव-गांव में लगी समाधान पेटियां

सुशासन तिहार को लेकर लोगों में उत्साहः 11 अप्रैल तक ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों में आमजन से लिए जाएंगे आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जनता-जनार्दन की समस्याओं के निदान और उनसे रूबरू मुलाकात के लिए सुशासन तिहार का प्रदेशव्यापी शुभारंभ 08 अप्रैल से हो गया है। तीन चरणों में आयोजित होने वाला यह सुशासन तिहार 31 मई तक चलेगा। प्रथम चरण में 8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक आम जनता से जिला पंचायत जनपद पंचायत ग्राम पंचायत के कार्यालयों में सीधे आवेदन लिए जा रहे हैं।

सुशासन तिहार को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, और लोग अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन लेकर उसे जिला पंचायत जनपद पंचायत ग्राम पंचायत कार्यालयों में लगी समाधान पेटी में जमा कर रहे है। जनसमान्य की समस्याओं से संबंधित आवेदनों को भरने के लिए ग्राम पंचायतों कार्यालयों में अधिकारी कर्मचारी की ड्यूटी भी लगाई गई है, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन देने में किसी भी तरह की परेशानी न हो।

सुशासन तिहार के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन पोर्टल एवं कॉमन सर्विस सेंटर के जरिए भी आवेदन प्राप्त किए जाने की व्यवस्था है। विकासखंडों और जिला मुख्यालयों में भी आवेदन प्राप्त करने हेतु समाधान पेटी रखी गई है, जहां लोग अपनी समस्याओं के संबंध में आवेदन डाल रहे है।

वही ग्राम पंचायतों में भी शासन प्रशासन के प्रत्येक स्तर पर शासकीय काम-काज में पारदर्शिता, शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन समाज के हर वर्गों को तत्परता से लाभ पहँचाने हेतु शासन - प्रशासन स्तर पर प्रभावी पहल की जा रही है। इसी कड़ी में सुशासन तिहार - 2025 संचालित करने का निर्णय लिया गया है। सुशासन तिहार - 2025 के पहले चरण में दिनांक 08 अप्रैल से 11 अप्रैल 2025 तक आम जनता से आवेदन प्राप्त किए जाएँगे । दुसरे चरण में लगभग एक माह के भीतर प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाएगा । तीसरे एवं अंतिम चरण में 05 मई से 31 मई 2025 के बीच समाधान शिविरों का आयोजन किया जावेगा । शिविर / सुशासन तिहार 2025 के सफल क्रियान्वय एवं संचालन दिनांक 08.04.2025 से 11.04.2025 तक ग्राम पंचायतों में आम नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों से मांग शिकायत संबंधी आवेदन प्राप्त करने हेतु प्रातः 10.00 बजे से 05.00 बजे तक ग्राम पंचायत भवन में लगाई जाती है। संबंधित कर्मचारियों प्राप्त आवेदनों का निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्राप्त कर ऑनलाईन एण्ट्री कराये जाने हेतु जनपद पंचायत धमधा के ग्राम पंचायत 119 में जनपद पंचायत पाटन ग्राम पंचायत 108 जनपद पंचायत दुर्ग में ग्राम पंचायत 73 के में सुशासन तिहार के लिए नोडल अधिकारियों क नियुक्ति किया गया जिसमें सहायक विकास विस्तार अधिकारी, सहा करारोपण अधिकारी, रोजगार सहायक, एन आर एल एम की ड्यूटी लगाया गया है। समाधान शिविरों में जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और हितग्राहीमूलक योजनाओं के आवेदन प्रपत्र भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इस अभियान में सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

सुशासन तिहार में 83 पहुंचे समाधान पेटी तक

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली में आयोजित राज्य स्तरीय सुशासन तिहार में तेज गर्मी के बावजूद 83 लोग शिविर स्थल पहुंचे। समस्या मूलक आवेदन को समाधान पेटी में डाला। आवेदन में किसी ने आवास मांगा तो किसी ने घर से पानी निकासी का रास्ता मांगते आवेदन प्रस्तुत किए है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव के सुशासन तिहार में आम नागरिक रूचि दिखा रहे है। वे अपने समस्या मूलक आवेदन लेकर निगम द्वारा रखे गए समाधान पेटी तक पहुंच रहे है। वे अपनी समस्या मूलक और मांग भरे आवेदन का निराकरण कराने आवेदन प्रस्तुत कर रहे है। उल्लेखनीय है कि पहले दिन 83 लोगों ने आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसमें से 75 मांग वाले आवेदन शामिल है वही 8 आवेदन शिकायती अंदाज में प्रस्तुत किए है। नगर पालिक निगम के प्रभारी आयुक्त व कार्यापालन अभियंता सुनिल दुबे ने बताया कि सार्वधिक आवेदन पुरैना बस्ती में मिले है। आज से ही प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। आवेदनों में 75 मांग पत्र है। वहीं 8 शिकायत दूर करने का अनुरोध नागरिकों ने निगम प्रशासन से की है। उन्होंने न बताया कि शिकायत पत्रों के आधार पर कार्यवाही शीघ्र की जाऐगी।

सुशासन तिहारः महापौर पहुंची शिविर में, लोगों से मुलाकात कर मांग व शिकायत समाधान पेटी में डालने की अपील

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत सुशासन तिहार 2025 का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना। शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करना और विकास कार्यो में गति लाने के साथ आम जनता,जनप्रतिनिधियों ओर विभिन्न सामाजिक सगठनो से संवाद स्थापित करना है। महापौर अलका बाघमार द्वारा एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे,नीलेश अग्रवाल,ज्ञानेश्वर ताम्रकर,पार्षद संजय अग्रवाल, गुलशन साहू,सरस निर्मलकर, ललिता ठाकुर,रेशमा सोनकर, के साथ सुशासन तिहार शिविर में पहुँचकर मांग व शिकायत आवेदन करने आये हितग्राहियों से चर्चा कर समाधान पेटी में आवेदन डालने की अपील की।इस दौरान कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,वीपी मिश्रा,सहायक अभियंता गिरीश दीवान,राजेन्द्र ढाबाले,उपअभियंता हरिशंकर ठाकुर,प्रेरणा दुबे,राजस्व अधिकारी आर.के. बोरकर,उमयन्ति ठाकुर मौजूद रहें,08 अप्रैल से 11 अप्रैल तक नगर निगम क्षेत्र के 6 स्थानों में समाधान पेटी में अपनी शिकायत या मांग दर्ज कर सकते है।

आज सुशासन तिहार के पहले दिन उरला जोन कार्यालय में 6 मांग 1 शिकायत,महात्मा गांधी स्कूल में 7 मांग,1 शिकायत,आदित्य नगर जोन कार्यालय में 26 मांग, 6 शिकायत, बोरसी जोन कार्यालय में 36 मांग,4 शिकायत,निगम परिसर में 7 मांग,5 शिकायत,चंद्रशेखर स्कूल में 25 मांग एवं 0 शिकायत आवेदन मिले 6 स्थानों के समाधान शिविर में कुल मांग एवं शिकायत के आवेदन 124 मिले है।

महापौर अलका बघामार और पार्षदों ने जनसहयोग से शुरू किया पोटिया तालाब सफाई अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत आज पोटिया कला वार्ड क्रमांक 54 स्थित पोटिया तालाब की सफाई की गई। महापौर अल्का बाघमार ने स्वास्थ्य प्रभारी नीलेश अग्रवाल, एमआईसी प्रभारी ज्ञानेश्वर ताम्रकर, हिरौंदी चंदानिया,कसारीडीह बोरसी मंडल अध्यक्ष कौशल साहू,वरिष्ठ नेता अजय तिवारी,जिला महिला मोर्चा महामंत्री श्रीमती गायत्री वर्मा, सहित वार्ड नागरिको के साथ तालाब के आस पास फैले जलकुंभी और कचरे को फावड़ा से निकालकर एकत्रित कर उठाया। वहीं स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा,कर्मशाला अधीक्षक,शोएब अहमद सहित सहयोग करने बड़ी संख्या में लोगों ने कतार में खड़े हो कर सफाई अभियान में हाथ बढ़ाया।

महापौर अलका बाघमार ने पहले नागरिकों से भी सहयोग की अपील की। महापौर,प्रभारी व पार्षद और निगम कर्मियों ने मिलकर तालाब से विसर्जन सामग्री, फूल माला, पालीथीन को तालाब से बाहर निकाला। सुबह एक घंटा से अधिक समय तक चले इस अभियान में टैक्टर ट्राली भरकर कचरा निकाला गया।

महापौर कहा है कि तालाबों की सफाई निरंतर जारी रहनी चाहिए, ताकि ये साफ सुथरे रहें और लोगों को स्वच्छ जल उपलब्ध हो सके.शहर में चल रहे स्वच्छता अभियान का हिस्सा,शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाना है.पर्यावरण संरक्षण ।तालाबों की सफाई पर्यावरण संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे जल प्रदूषण कम होता है और जलीय जीवन को बचाया जा सकता है।साफ-सुथरे तालाब लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी हैं, क्योंकि इससे जल जनित बीमारियों को रोका जा सकता है।

सेल-रेल साझेदारी को समर्पित 'मैत्री क्रिकेट मैच' आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा भारतीय रेलवे को रेल पटरियों की आपूर्ति बीते छह दशकों से अधिक समय से की जा रही है। इस दीर्घकालिक और मजबूत साझेदारी को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रिसर्च कंट्रोल लैब (आरसीएल), यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) तथा रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल (आरएसएम) के संयुक्त तत्वावधान में 'सेल-रेल मैत्री क्रिकेट मैच (चैथा संस्करण)' का आयोजन 5 अप्रैल 2025 की संध्या को किया गया।

यह मैत्रीपूर्ण मुकाबला बीएसपी में रेल निर्माण एवं गुणवत्ता निरीक्षण से जुड़े विभागों तथा रेलवे निरीक्षण एजेंसी राइट्स के अधिकारियों की मिश्रित टीमों के बीच खेला गया, जिसका उद्देश्य विभागों के मध्य आपसी समन्वय को प्रोत्साहित करना एवं समस्त कार्मिकों में गुणवत्ता-युक्त रेल उत्पादन के प्रति जागरूकता और उत्साह का संचार करना था।

इस सौहार्द्रपूर्ण आयोजन के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता थे, जिन्होंने दोनों टीमों से औपचारिक परिचय प्राप्त किया तथा प्रतीकात्मक बल्लेबाजी एवं गेंदबाज़ी कर मैच का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों में कार्यपालक निदेशक बिपिन कुमार गिरी, कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तुषारकांत, मुख्य महाप्रबंधक टी दस्तीदार, मुख्य महाप्रबंधक राहुल श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक इन्द्रजीत सेनगुप्ता, महाप्रबंधक प्रभारी विशाल गुप्ता, उप महाप्रबंधक एचएस नायक, प्रबंधक रामकृष्णा तथा सहायक प्रबंधक सत्यनारायण प्रमुख रूप से सम्मिलित थे। कार्यक्रम के दौरान बीएसपी एवं राइट्स की महिला कार्मिकों एवं अधिकारियों की जीवनसंगिनियों के लिए एक विशेष 'शो मैच' का आयोजन भी किया गया, जिसे महाप्रबंधक जेके वर्मा की रोचक एवं व्यंग्यपूर्ण कमेंट्री ने अत्यंत मनोरंजक बना दिया। मुख्य मुकाबले में 350 एचटी टीम के कप्तान श्री शिव कुमार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया, जबकि आर 260 टीम के कप्तान नितिन राजपूत अपनी टीम के साथ गेंदबाज़ी एवं क्षेत्ररक्षण के लिए मैदान में उतरे। उल्लेखनीय है कि आर 260 तथा 350 एचटी भारतीय रेलवे को आपूर्ति की जाने वाली रेल पटरियों के दो प्रमुख स्टील ग्रेड हैं।

विश्व स्वास्थ्य पर जेएलएन अस्पताल में उन्नत नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य चिकित्सालय, सेक्टर-9 स्थित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र (जेएलएनएचआरसी) में विश्व स्वास्थ्य दिवस-2025 के अवसर पर उन्नत नवजात पुनर्जीवन विशिष्ट चिकित्सा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नवजात स्वास्थ्य पर केंद्रित इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवजात शिशुओं की आपातकालीन देखभाल में चिकित्सकीय दक्षता को सुदृढ़ करना था।

कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. रवींद्रनाथ एम., मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, साथ ही विशिष्ट अतिथियों में मुख्य चिकित्सा अधिकारीगण डॉ. विनीता द्विवेदी, डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर एवं डॉ. सौरव मुखर्जी सम्मिलित थे। यह आयोजन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग कि अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष डॉ. संबिता पंडा के नेतृत्व में किया गया। उन्नत नवजात पुनर्जीवन विशिष्ट चिकित्सा कार्यक्रम के प्रशिक्षण सत्र का मार्गदर्शन डॉ. पवन जैन, डॉ. आकाश लालवानी, डॉ. निलय मोजार्कर, डॉ. ज्ञानेश मिश्रा और डॉ. माला चैधरी जैसे ख्यातिप्राप्त राष्ट्रीय प्रशिक्षकों की विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया। प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभागियों को अत्याधुनिक नैदानिक कौशल प्रदान किए गए।

डॉ. रवींद्रनाथ एम. ने अपने सारगर्भित संबोधन में विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम स्वस्थ शुरुआत, आशावादी भविष्य के आलोक में कार्यक्रम की प्रासंगिकता को रेखांकित किया और नवजात पुनर्जीवन प्रशिक्षण के जीवन रक्षक प्रभावों तथा शिशु स्वास्थ्य परिणामों में इसके दीर्घकालिक लाभों पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. रवींद्रनाथ ने कहा कि इस तरह के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, जटिल नवजात स्वास्थ्य चुनौतियों के प्रबंधन में चिकित्सकों को दक्ष बनाते हैं और यह पहल न केवल बीएसपी अस्पताल के नवजात देखभाल मानकों को सुदृढ़ करती है, बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा उत्कृष्टता की दिशा में भी एक उल्लेखनीय योगदान है। उन्होंने पीडियाट्रिक्स एवं नियोनेटोलॉजी विभाग की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम बीएसपी मुख्य चिकित्सालय द्वारा गुणवत्तापूर्ण नवजात स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो उत्कृष्टता-संचालित स्वास्थ्य सेवा संस्कृति को निरंतर सशक्त करता है।

इस अवसर पर स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष (शिशु रोग व नवजात चिकित्सा विभाग) डॉ. संबिता पंडा ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कार्यक्रम नवजात पुनर्जीवन तकनीकों में कार्यरत स्वास्थ्य पेशेवरों के कौशल उन्नयन, गुणवत्तापूर्ण देखभाल की उपलब्धता तथा नवजात मृत्यु दर में संभावित कमी की दिशा में एक प्रभावी पहल है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

निगम कमिश्नर जोन-8 ने 2400 वर्गफीट में अवैध निर्माण को ढहाया

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और जोन 8 जोन कमिश्नर एके हालदार के निर्देशानुसार कार्यपालन अभियंता अभिषेक गुप्ता के नेतृत्व और उप अभियंता लोचन प्रसाद चैहान की उपस्थिति में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 के नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न स्थानों में अवैध निर्माण एवं स्वीकृति विपरीत निर्माण पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इस क्रम में जोन क्रमांक 08 के तहत वार्ड क्रमांक 70 संत रविदास वार्ड के तहत डुमरतालाब से सरोना जाने वाले मुख्य मार्ग के पास श्रीमती पूर्णिमा चावड़ा द्वारा लगभग 2400 वर्गफीट भूखंड क्षेत्र में व्यवसायिक अनुमति के विपरीत किये गए निर्माण को तोडने की कार्यवाही की गयी एवं भवन स्वामी को भूतल में पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया । जोन क्षेत्र के अंतर्गत मोहबाबाजार से एम्स होते हुए टाटीबंध मुख्य मार्ग में लगभग 15 ठेलों और गुमटियों हटाने की कार्यवाही की गई ।

आईटीएम यूनिवर्सिटी ने किया दो नए बीबीए प्रोग्राम्स और एडमिशन ब्रोशर का विमोचन

रायपुर। आईटीएम यूनिवर्सिटी रायपुर ने आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए दो अत्याधुनिक अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम्स बीबीए इन सप्लाई चेन एंड लॉजिस्टिक्स और बीबीए इन बैंकिंग एंड फाइनेंस की पढ़ाई शुरु करेगा। इससे पहले रायपुर प्रेस के कोषाध्यक्ष रमन हलवाई, आईटीएम यूनिवर्सिटी की प्रो-वाइस चांसलर सुश्री लक्ष्मी मूर्ति, जलीश शुभान व विवि के अन्य पदाधिकारियों ने एडमिशन ब्रोशर का विमोचन किया। वाइस चांसलर सुश्री लक्ष्मी मूर्ति व विवि के अन्य पदाधिकारियों ने एडमिशन ब्रोशर का विमोचन किया।

लक्ष्मी मूर्ति ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि इस एडमिशन ब्रोशर में करियर के

लिए निर्णायक अवसरों, मजबूत प्लेसमेंट रिकॉर्ड और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही नई शैक्षणिक साझेदारियों को दर्शाया गया है, जो आईटीएम यूनिवर्सिटी रायपुर को मध्य भारत में उच्च शिक्षा का एक अग्रणी केंद्र बनाती हैं। इसके अलावा विवि के द्वारा दो नये प्रोग्राम्स इस सत्र से शुरु किए जाएंगे जिनमें बीबीए इन सप्लाई चेन एंड लॉजिस्टिक्स छात्रों को वैश्विक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, वेयरहाउसिंग और संचालन को डिजिटल टूल्स और वास्तविक केस स्टडीज़ के माध्यम से प्रबंधित करना सिखाएगा। इसी तरह बीबीए इन बैंकिंग एंड फाइनेंस आधुनिक बैंकिंग प्रणालियों, वित्तीय विश्लेषण, फिनटेक और निवेश रणनीतियों में गहराई से प्रशिक्षण देगा, जिससे छात्र भारत के तेजी से बढ़ते वित्तीय क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभा सकें।

महापौर द्वारा होटलों, ढाबो, ठेले में नॉनवेज विक्रय प्रतिबंधित करने का जैन समाज ने किया स्वागत

रायपुर। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने जियो और जीने दो भगवान महावीर स्वामी के उपदेश को चरितार्थ करते महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश का स्वागत किया है कि भगवान महावीर स्वामी जन्मकल्याणक के अवसर पर 10 अप्रैल को रायपुर नगर निगम क्षेत्र में मांस मटन की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया है जिस पर निर्देश देते हुए महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने सभी होटलों ढाबों ठेले खोमचे में नॉनवेज विक्रय पर बैन लगाया है।

खम्हारपाकुट मध्यम जलाशय योजना के कार्यों

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा रायगढ़ जिले के विकासखंड-लैलूंगा के अंतर्गत खम्हारपाकुट मध्यम जलाशय योजना के कार्यों हेतु 5 करोड़ 81 लाख 9 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। जलाशय योजना के कार्यों में मुख्य नहर जीर्णोद्धार रिमाडलिंग एवं लाईनिंग कार्य शामिल है। योजना के कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्र में 195 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से सिंचाई योजना के कार्यों को पूर्ण कराने के लिए मुख्य अभियंता हसदेव कछार जल संसाधन विभाग बिलासपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है।

एसएआई के तत्वाधान में ''संडे ऑन साइकिल अभियान'' का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खेलो इंडिया योजना के फिट इंडिया पहल के तहत और फिटनेस को दिनचर्या में शामिल करने के उद्देश्य से, माननीय केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री ने 17 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली में फिट इंडिया साइकिलिंग अभियान का उद्घाटन किया गया है। यह साइकिलिंग पहल तब से Sunday On Cycle के बैनर तले एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में विकसित हुई है।

इसी तारतम्य में फिट इंडिया मिशन राज्य पुलिस बलों के सहयोग से 6 अप्रैल 2025 को पूरे भारत में ''संडे ऑन साइकिल'' अभियान का एक विशेष संस्करण आयोजित करने एवं पुलिस द्वारा अपने कार्यक्रमों, सामुदायिक गतिविधियों और जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से ''फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज'' नारे का उपयोग करके फिटनेस एवं दैनिक शारीरिक गतिविधियों के महत्व के बारे में आम जन को जागरूक करने के उद्देश्य से 6 अप्रैल 2025 को स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) के तत्वाधान में पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह तथा सहायक पुलिस महानिरीक्षक यातायात पुलिस मुख्यालय संजय शर्मा के नेतृत्व में रायपुर पुलिस के पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों एवं स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) के लगभग 150 सदस्य रक्षित केन्द्र स्थित पुलिस परेड ग्राउण्ड से ''संडे ऑन साइकिल अभियान'' की शुरूवात करते हुये सायकल चलाकर अनुपम गार्डन पहुंचे तथा अभियान के तहत अनुपम गार्डन में कार्यक्रम व सामुदायिक गतिविधियों के माध्यम से फिटनेस एवं दैनिक शारीरिक गतिविधियों के महत्व के बारे में लगभग 400-500 आम जन को जागरूक किया गया एवं पुनः अनुपम गार्डन से सायकल चलाकर पुलिस परेड ग्राउण्ड पहुंच कर ''संडे ऑन साइकिल अभियान'' का समापन किया गया है।

अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कीर्तन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम डीआर पोर्ते, नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाईन अजय कुमार, उप पुलिस अधीक्षक यातायात गुरजीत सिंह, उप पुलिस अधीक्षक यातायात सतीश ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक लाईन निलेश द्विवेदी, रक्षित निरीक्षक अनीश सारथी, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) के प्रशिक्षक सतीश कुमार दुबे एवं रेणु पारेख तथा थानों के थाना प्रभारीगण सहित रायपुर पुलिस के अन्य अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहें।

सुशासन तिहारः समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन देने का सिलसिला हुआ शुरू

जिलों में कलेक्टर सहित प्रशासनिक अधिकारी कर रहे निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में आज से शुरू हुए राज्य व्यापी सुशासन तिहार में लोगों द्वारा अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन देने का सिलसिला शुरू हो गया है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोग बेहिचक आवेदन दे रहे हैं। लोगों को भरोसा है कि उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए त्वरित पहल की जाएगी। सुशासन तिहार के पहले चरण में आम लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए 8 अप्रैल से 11 अप्रैल राज्य के सभी ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों और जिला मुख्यालयों में आवेदन लिए जा रहे हैं।

राजधानी रायपुर में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने राजधानी के विभिन्न वार्डों में पहुंच कर लोगों को अपनी समस्या के निराकरण के लिए आवेदन देने की अपील की। उन्होंने नगर निगम के जोन क्रमांक 4 के कार्यालय और विभिन्न वार्डों में आवेदन लिये जाने की प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने लोगों से अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए बिना किसी हिचक के आवेदन करने कहा।

महासमुंद जिले में कलेक्टोरेट, जनपद और तहसील कार्यालय में समाधान पेटी की व्यवस्था की गई है। सुशासन तिहार के सफल संचालन के लिए कलेक्टर द्वारा 51 नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं। कलेक्टर महासमुंद श्री विनय कुमार लंगेह ने जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर आवेदन लेने की प्रक्रिया का जायजा लिया और अधिकारियों से कहा कि लोगों को आवेदन देने के लिए किसी प्रकार का दिक्कत न हो इसका विशेष रूप से ध्यान दें। आवश्यकतानुसार कई केंद्रों में आवेदन देने मदद करने के लिए कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

धमतरी जिले के कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा सहित जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रोमा श्रीवास्तव और तीनों अनुभागों के अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों ने आज पोटियाडीह, परसतराई, ग्राम पंचायतों में पहुंचकर सुशासन तिहार के दौरान आवेदन लेने की प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस दौरान अशिक्षित आवेदकों के आवेदन लिखने के लिए किसी कर्मचारी की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को आवेदन देने से मना या रोका नहीं जाए। इसके बाद कलेक्टर ने नगर निगम क्षेत्र में हटकेशर वार्ड पहुंचकर वहां मौजूद महिलाओं और लोगों से बातचीत की। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में अपनी मांगों और समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन करने को कहा।

जगदलपुर जिले में जिले के सभी गांवों, नगरीय क्षेत्रों के सभी वार्डों कलेक्टर कार्यालय सहित सभी शासकीय कार्यालयों में लोगों से आवेदन लेने के लिए समाधान पेटी की व्यवस्था की गई है। इसी प्रकार बालोद जिले में भी लोगों से आवेदन लेने के लिए सभी महत्वपूर्ण स्थानों में समाधान पेटी की व्यवस्था की गई है।

महासमुंद जिले के ग्राम परसदा के निवासी श्री विक्रम चंद्राकर ने गांव में पेयजल की समस्या को देखते हुए नलकूप खनन के लिए आवेदन किया है। उन्हें विश्वास जताया है कि उनकी मांग का निराकरण होगा। इसी तरह ग्राम खैराभाठा के दुलारी बाई तारक ने कहा कि यह सरकार की अच्छी सोच है कि हमें अपनी मांग और समस्याओं को बताने एक उचित प्लेटफॉर्म मिल रहा है। सुशासन तिहार का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करना तथा विकास कार्यों में गति लाने के साथ ही आम जनता जनप्रतिनिधियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों से सीधा संवाद स्थापित करना है। सुशासन तिहार तीन चरणों में आयोजित होगा पहले चरण में 8 अप्रैल से 11 अप्रैल 2025 तक आम जनता से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। दूसरे चरण में लगभग एक माह के भीतर प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। तीसरे एवं अंतिम चरण में 5 मई से 31 मई 2025 के बीच समाधान शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

68वीं अखिल भारतीय रेल क्रिकेट स्पर्धा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की क्रिकेट टीम बनी उपविजेता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की क्रिकेट टीम ने 68वीं अखिल भारतीय रेल क्रिकेट प्रतियोगिता 2025-26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का खिताब प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की गई थी — पहला चरण भुवनेश्वर (खुर्दा रोड) में तथा नॉकआउट मुकाबले दक्षिण पश्चिम रेलवे के मुख्यालय हुबली में सम्पन्न हुए।

प्रतियोगिता के प्रथम चरण में लीग पद्धति से टी20 सीमित ओवरों के मैच खेले गए, जिसमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नॉकआउट चरण में प्रवेश किया। नॉकआउट मुकाबलों में टीम ने सेंट्रल रेलवे एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे को हराते हुए फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में नॉर्दर्न रेलवे के खिलाफ शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए टीम ने उपविजेता की ट्रॉफी अपने नाम की।

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष 2023-24 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया था। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने टीम के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगी स्टाफ को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर टीम के सभी खिलाड़ी, प्रशिक्षक, महासचिव, सचिव एवं स्पोर्ट्स सेल के कर्मचारी उपस्थित रहे।

शहीद राजीव पाण्डेय की जयंती 11 अप्रैल को

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में शहीद राजीव पाण्डेय की जयन्ती 11 अप्रेल को प्रातः 10 बजे राजधानी शहर रायपुर के संजय नगर टिकरापारा में स्थित शहीद राजीव पाण्डेय की मूर्ति के समक्ष उनका नमन करने नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 6 के सहयोग से पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज में तीन महीने में 213 अधिकारियों-कर्मचारियों को दिए पदोन्नति आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज में बीते तीन महीने में 213 अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति आदेश जारी किये गए हैं। इसमें प्रथम एवं द्वितीय वर्ग के 13 अधिकारी तथा तृतीय व चतुर्थ वर्ग के 200 अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। कंपनी प्रबंधन ने क्षेत्रीय कार्यालयों को भी निर्देश दिए हैं कि पात्रतानुसार विद्युत कर्मियों के पदोन्नति आदेश शीघ्र जारी किये जाएं।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के अध्यक्षव्दय सुबोध कुमार सिंह एवं डॉ. रोहित यादव तथा प्रबंध निदेशक आरके शुक्ला, भीमसिंह कंवर एवं एसके कटियार ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने पदोन्नत अधिकारी-कर्मचारियों को आह्वान किया है कि वे अपनी पूरी क्षमता, लगन और निष्ठा के साथ प्रदेश के विद्युत विकास में अपनी भागीदारी दें। समर्पण के साथ उपभोक्ताओं को संतुष्ट करें। उन्होंने कहा कि पॉवर कंपनी अपने कर्मियों के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है। इसी दिशा में उन्हें स्वास्थ्य सुरक्षा से लेकर सम्मान और पदोन्नति जैसे अवसर पूरी पारदर्शिता के साथ प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने तीनों कंपनी के मानव संसाधन विभाग और क्षेत्रीय कार्यालयों को पदोन्नति के कार्य को तीव्र गति से पूरा करने पर बधाई दी और उम्मीद जताई की बचे हुए पदों पर भी शीघ्र पदोन्नति प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग से सहायक अभियंता, कार्यपालन अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, मुख्य अभियंता और कार्यपालक निदेशक के पदोन्नति आदेश जारी किये जाते हैं, जिनमें अभियंता (कॉमन) कैडर के ट्रांसमिशन-डिस्ट्रीब्यूशन व सिविल संकाय के 11 अधिकारियों के पदोन्नति आदेश जारी किये गए हैं। इसमें कार्यपालक निदेशक के तीन व मुख्य अभियंता के पांच तथा अधीक्षण अभियंता के तीन अधिकारियों को पदोन्नति प्राप्त हुई है। जनरेशन कंपनी से दो मुख्य अभियंताओं को कार्यपालक निदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है।

इसी तरह तृतीय व चतुर्थ वर्ग की पदोन्नति तीनों कंपनी के मानव संसाधन विंग के अलावा क्षेत्रीय कार्यालय से किया जाता है। इसमें तृतीय व चतुर्थ वर्ग के सबसे अधिक 200 कर्मियों को पदोन्नति प्रदान की गई है। ट्रांसमिशन कंपनी लाइन अटेंडेंट ग्रेड एक के पद पर 22, टेस्टिंग अटेंडेंट ग्रेड-एक पर 48 तथा ऑफिस अटेंडेस एवंदफ्तरी के एक-एक पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। वहीं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी मुख्यालय में सेक्शन ऑफिसर के पद पर 28 कर्मियों को पदोन्नत किया गया है।

इसी तरह डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में लाइन अटेंडेंट एक के पद पर राजनांदगांव रीजन में 13 व दुर्ग रीजन में 19 कर्मियों की पदोन्नति की गई है। लाइन असिस्टेंट ग्रेड दो के पद पर राजनांदगांव में 48 कर्मियों को पदोन्नति प्रदान की गई है।

युवाओं का भविष्य बर्बाद न हो, इसके लिए मैं हर संभव प्रयास करूंगाः अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने प्रदेश के 2621 बर्खास्त बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों की पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर इन शिक्षकों को ONE TIME EXEMPTION (एक बार छुट) प्रदान करते हुए प्रयोगशाला सहायक/ व्यायाम शिक्षक जैसे समकक्ष पदों पर समायोजित करने की मांग की है।

श्री अग्रवाल ने अपने पत्र में यह स्पष्ट किया कि वर्ष 2023 में राज्य सरकार द्वारा जारी की गई भर्ती प्रक्रिया में तकनीकी कारणों से नियुक्त सहायक शिक्षकों को 16 माह की सेवा के उपरांत बर्खास्त कर दिया गया। यह निर्णय इन शिक्षकों और उनके परिवारों पर आर्थिक और मानसिक संकट बनकर टूटा है। अधिकतर शिक्षक मध्यम वर्गीय व बीपीएल परिवारों से आते हैं और अब बेरोजगारी के चलते उनके समक्ष रोजी-रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि ये युवा राज्य की शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा बन चुके थे और आज वे मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक पीड़ा से गुजर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि राज्य सरकार संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए इन शिक्षकों को समकक्ष पदों पर एक बार की विशेष छूट (ONE TIME EXEMPTION) के माध्यम से समायोजित करे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राज्य के मिडिल और हाई स्कूलों में प्रयोगशाला सहायक जैसे कई समकक्ष पद रिक्त हैं, जिन पर इन योग्यताधारी बर्खास्त शिक्षकों को समायोजित किया जा सकता है।

सांसद ने यह मांग की है कि राज्य सरकार संवेदनशीलता दिखाते हुए संविधान के अनुच्छेद 21 के अनुरूप जीवन रक्षा के अपने कर्तव्यों का पालन करे और इन शिक्षकों के भविष्य को अंधकारमय होने से बचाए। बृजमोहन अग्रवाल का कहना है कि, सत्ता में होने का अर्थ केवल शासन करना नहीं, पीड़ितों के आँसू पोंछना भी है। ये शिक्षक सिर्फ रोजगार नहीं, प्रदेश की भविष्य की नींव को संवारने वाले थे। मैं माननीय मुख्यमंत्री से निवेदन करता हूड्ड कि इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर जल्द निर्णय लें। श्री अग्रवाल के इस हस्तक्षेप से बर्खास्त शिक्षकों में आशा की नई किरण जगी है।

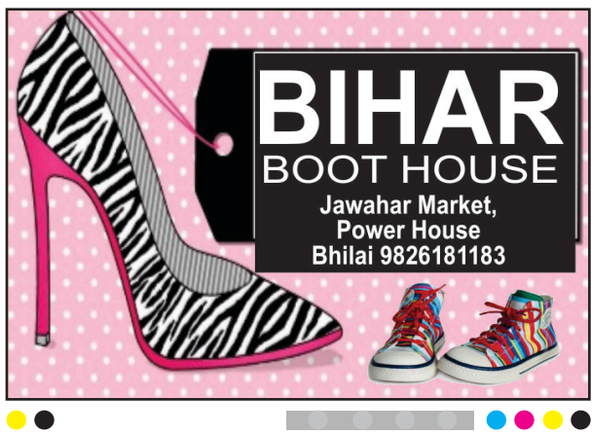

सिंगर, सॉन्ग-राइटर और अब अभिनेत्री, बहु-प्रतिभाशाली पर्सनालिटी के रूप में देखते हैं दर्शक : कावेरी कपूर

कावेरी कपूर ने अपनी पहली फिल्म बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई। हालांकि यह फिल्म कावेरी की पहली फिल्म थी, लेकिन यह पहली बार नहीं था जब उन्होंने कैमरे का सामना किया। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि कावेरी एक प्रतिभाशाली गायिका, गीतकार और संगीतकार हैं, जिनके नाम चार म्यूजिक वीडियो दर्ज हैं। हाल ही में उन्होंने अपना पाँचवाँ गाना एक धागा तोड़ा मैंने रिलीज किया, जिसे उन्होंने महज 15 साल की उम्र में अंग्रेजी में लिखा था। उनकी इस प्रतिभा को पहचानते हुए एआर रहमान, जिन्होंने इस ट्रैक को प्रोड्यूस किया, और उन्होंने ने कावेरी की खूब सराहना की। इतनी उपलब्धियों के साथ, कावेरी को रचनात्मकता, जुनून और प्रतिभा का प्रतीक मानना स्वाभाविक है।

एक गीतकार, गायिका और अभिनेत्री के रूप में उनकी यात्रा मेहनत, लगन, धैर्य और समर्पण का प्रमाण है। जो कावेरी ने हमेशा व्यक्त किए हैं। कावेरी को प्रदर्शन कला के प्रति अपने प्यार को विरासत में मिला, क्योंकि वह बेहद लेजेंड्री माता-पिता, सुचित्रा कृष्णमूर्ति और शेखर कपूर की बेटी हैं। और उनके संगीत वीडियो इस बात का सबूत हैं कि उन्हें अपने शानदार प्रतिभा माता-पिता से विरासत में मिला है।

जीवन के शुरुआती दौर से ही गीत लेखन और गायन में महारत हासिल करने वाली कावेरी अब अभिनय के क्षेत्र में अपना नाम बना रही हैं। अभिनेत्री के पास अपने पिता की बहुप्रतीक्षित फिल्म मासूम 2 है, जिसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। शेखर कपूर और अपने अभिनेताओं से प्रभावशाली अभिनय निकलवाने की उनकी प्रतिभा को जानते हुए, हम इस फिल्म में कावेरी को अभिनय करते देखने के लिए इंतजार कर रहे हैं।

सीमा से तलाक के 3 साल बाद सोहेल खान को फिर मिला प्यार?

सलमान खान के भाई सोहेल खान इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में सोहेल खान मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु वर्सेज मुंबई इंडियन्स का मैच देखने पहुंचे थे। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर इसमें क्या खास बात है, तो बता दें कि सोहेल खान मैच देखने अकेले नहीं गए थे। वो एक्ट्रेस शेफाली बग्गा के साथ आईपीएल मैच देखते दिखे जिसके बाद से दोनों को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है।

पैपराजी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में सोहेल खान और शेफाली बग्गा को एक ही गाड़ी में बैठे देखा जा सकता है। शेफाली गाड़ी में आगे बैठी हुई नजर आ रही हैं। वहीं, सोहेल खान किसी और के साथ पीछे की सीट पर बैठे हुए हैं। दोनों की स्टेडियम से भी फोटो सामने आई है जिसके बाद से फैंस ये जानने के लिए उत्सुक हैं कि क्या वो सिर्फ दोस्त हैं यो दोनों के बीच दोस्ती से ज्यादा कुछ है।

एक्ट्रेस ने दिखाई झलक

हालांकि शेफाली बग्गा और सोहेल खान के साथ ही जय भानुशाली भी स्टेडियम में मैच देखने पहुंचे थे। शेफाली ने अपनी और सोहेल की फोटोज के साथ ही जय के साथ भी फोटो शेयर की है। ये फोटोज शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'एक एमआई सपोर्टर है और एक आरसीबी सपोर्टर है। अब आप गेस करो कि कौन क्या है'।

शेफाली बग्गा को बिग बॉस से मिली था पहचान

बता दें, शेफाली बग्गा को बिग बॉस से पहचान मिली थी। वो बिग बॉस 13 में नजर आई थीं। सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल के सीजन में शेफाली के गेम प्लान को भी काफी पसंद किया गया था। इसके अलावा वो म्यूजिक वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भी फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी रहती हैं

'लाफ्टर शेफ्स 2' में निया शर्मा का हो रहा कमबैक, सुदेश लहरी संग बनेगी जोड़ी

'लाफ्टर शेफ्स 2' को दर्शकों से मिल रहे प्यार के कारण 1 अप्रैल से बढ़ा दिया गया है। मन्नारा चोपड़ा के शो छोड़ने के बाद, सुदेश लहरी के साथ उनकी पुरानी पार्टनर निया शर्मा वापसी कर रही हैं।

'लाफ्टर शेफ्स 2' इस महीने की 1 तारीख से बढ़ा दिया गया है। यानी 1 अप्रैल से इस शो को एक्सटेंड कर दिया है क्योंकि इसे इतना प्यार मिल रहा है कि दर्शक इसे और देखना चाह रहे हैं। ऐसे में मन्नारा चोपड़ा तो दूसरे कमिटमेंट्स के कारण इसे छोड़कर चली गईं। वहीं, अब अकेले रह गए सुदेश लहरी का साथ देने के लिए उनकी पुरानी पार्टनर निया शर्मा लौट रही हैं। उनके कमबैक से हर कोई खुश है। उनका भी अब रिएक्शन आ गया है। निया शर्मा और सुदेश लहरी की ट्विनिंग को 'लाफ्टर शेफ्स' के पहले सीजन में खूब पसंद किया गया था। अब उन्होंने 'इंडिया फोरम' से बात की और उसमें अपने आने की बात कंफर्म की। कहा, 'मुझे लाफ्टर शेफ्स की बहुत याद आती है। लगभग हर दिन कोई न कोई- ऑनलाइन फैन या फिर एयरपोर्ट पर अजनबी – मुझसे पूछता था कि मैं कब वापस आ रही हूं।'

निया शर्मा का हो रहा 'लाफ्ट शेफ्स 2' में कमबैक

निया ने अपने कमबैक के बारे में कहा, 'मुझे लाफ्टर शेफ्स की बहुत याद आ रही है। लगभग हर दिन कोई न कोई मुझसे पूछता था कि मैं कब कमबैक कर रही हूं। इतना प्यार मिला है लोगों का। सुदेश जी के साथ मेरा रिश्ता इतना हिट हो गया कि लोग आज भी मुझे उन क्रेजी मोमेंट्स के लिए टैग करते हैं। इसलिए वापस आना मेरे लिए बहुत आसान था। मैं ओरिजनल लाफ्टर शेफ्स फैमिली के साथ फिर से जुड़ने के लिए एक्साइटेड हूं।'

रीम शेख का पत्ता कटा

निया शर्मा के शो में आने की बात पहले कंफर्म नहीं थी। उनके अलावा रीम शेख का भी जिक्र हो रहा था कि वह शो में सुदेश लहरी का साथ दे सकती हैं और मन्नारा चोपड़ा को रिप्लेस कर सकती हैं लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब उनके आने से फैंस बहुत खुश हैं। बीते दिन जब अब्दू रोजिक गए थे तो उन्हें किसी नए से नहीं, बल्कि पुराने कंटेस्टेंट यानी करण कुंद्रा से ही रिप्लेस किया गया था क्योंकि दर्शक पिछले सीजन के ही लोगों को देखना चाहते हैं।

'उम्र और फिगर का नाप-तोल', हीरोइनों के रोल पर एक्ट्रेस काजोल की दो-टूक

काजोल ने राइजिंग भारत समिट 2025 में अपने करियर, फैमिली और बॉलीवुड पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि वह शुरुआत में फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं। राइजिंग भारत समिट 2025 में बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल भी नजर आईं। जहां उन्होंने अपने करियर, फैमिली और बॉलीवुड को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि वह शुरुआत में फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं। वह तो मामा की बेटी के साथ बस फोटोशूट करवाने गई थीं और फिर संयोग से उन्हें भी ऑफर आने लगे और फिर वह फिल्मों की दुनिया में आ गईं। इसी के साथ उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म 'बेखुदी' से सैफ अली खान के बाहर होने को लेकर भी रिएक्ट किया।

काजोल से सैफ अली खान को लेकर भी सवाल किया गया। जहां उन्होंने कहा कि तब फिल्मों की उन्हें इतनी समझ नहीं थी। उन्हें नहीं पता था कि आखिर क्यों सैफ अली खान को निकाला गया और क्यों नहीं। मगर सैफ बहुत ही अच्छे स्टार हैं। वहीं, काजोल ने आजकल के बदलते सिनेमा पर भी बात की।

'बेखुदी' से सैफ अली खान क्यों बाहर हुए, बोलीं काजोल

काजोल ने कहा, 'मुझे उस वक्त फिल्मों के बारे में इतना पता नहीं था। इसलिए मुझे निराशा भी नहीं हुई। मुझे नहीं पता कि क्यों सैफ अली खान को निकाला गया। मतलब क्यों सैफ ने पिक्चर छोड़ दी। मैं तब बहुत यंग थी। मुझे बिल्कुल एहसास नहीं था कि क्या हो रहा है क्या नहीं।'

काजोल का डेब्यू

बता दें बेखुदी फिल्म साल 1992 में रिलीज हुई थी जिससे काजोल ने डेब्यू किया था। शुरुआत में ये फिल्म सैफ अली खान को मिली थी। मगर कुछ बदलावों के बाद वह बाहर हो गए। इसके बाद राहुल रवैल के डायरेक्शन में बनी फिल्म में कमल सदाना को लिया गया था।

बदला सिनेमा

काजोल ने बदलते सिनेमा और मौजूदा समय को लेकर भी बातचीत की। उन्होंने ओटीटी की सराहना की। साथ ही आज के दौर की सिनेमा की तारीफ करते हुए कहा कि आज सबसे अच्छी बात ये है कि कोई उम्र का या फिर फिगर का मेजरमेंट नहीं कर रहा। अच्छे रोल और अच्छी कहानियां लिखी जा रही है।

क्या चीज इंडस्ट्री में बहुत ओवररेटेड है?

काजोल से एक सवाल इंडस्ट्री के कल्चर और कामकाज को लेकर भी पूछा गया। जब उनसे सवाल किया कि कौन सी चीज फिल्म इंडस्ट्री में बहुत ओवररेटेड है। तो वह मुस्कुराती हैं और कहती हैं कि उन्हें एक चीज बहुत अजीब लगती है। वो है- फेक ऑनेस्टी। कुछ लोग बहुत ही सफाई से झूठी इमेज को फ्लॉन्ट करते हैं। कभी सोशल मीडिया के माध्यम से तो कभी किसी और जरिए।

एक्ट्रेस श्रुति हासन ने शेयर की बोल्ड रेड ड्रेस में हॉट तस्वीरें

साउथ इंडस्ट्री की टैलेंटेड और बोल्ड एक्ट्रेस श्रुति हासन एक बार फिर अपने स्टाइल और फैशन सेंस के चलते चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में एक रेड ड्रेस में फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटोज में श्रुति का एटीट्यूड, कॉन्फिडेंस और ग्लैमर का जबरदस्त मेल देखने को मिल रहा है। रेड कलर की इस लॉन्ग ड्रेस में श्रुति बेहद हसीन लग रही हैं। उन्होंने ब्लैक बैकड्रॉप के साथ सटल लाइट में कैमरे के लिए दिलकश पोज दिए हैं। उनके खुले बाल, सटल मेकअप और स्टाइलिश हील्स ने लुक को और भी क्लासी बना दिया है।

पोस्ट के कैप्शन में श्रुति ने लिखा-क्या शैतान लाल कपड़े पहनता है? या हमें सिर्फ एल हटा देना चाहिए -उनका यह अंदाज फैन्स को बेहद पसंद आ रहा है। कमेंट सेक्शन में उन्हें गॉर्जियस, फायर, क्वीन जैसे कमेंट्स मिल रहे हैं।

श्रुति हासन अक्सर अपने फैशन एक्सपेरिमेंट्स से सुर्खियां बटोरती हैं और ये तस्वीरें इस बात का एक और सबूत हैं कि वह सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि स्टाइल आइकन भी हैं। उनकी ये तस्वीरें फैन्स के बीच तेजी से वायरल हो रही हैं और हर कोई उनके इस ग्लैमरस लुक की तारीफ कर रहा है।

दिल को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना कुछ देर करें मत्स्यासन

मत्स्यासन एक लोकप्रिय योगासन है, जो शरीर के लचीलापन और ताकत को बढ़ाता है। इस योग अभ्यास के जरिए दिल के स्वास्थ्य को भी फायदा पहुंचता है। इस आसन को करने से हृदय में होने वाले रक्त प्रवाह में सुधार होता है और तनाव कम हो जाता है। इस लेख में हम जानेंगे कि मत्स्यासन को करने का सही तरीका क्या है। साथ ही, हम समझेंगे कि इसके अभ्यास से दिल को स्वस्थ रखने में कैसे मदद मिलती है।

मत्स्यासन करने का सही तरीका

इस आसान को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर पीठ के बल लेट जाएं। अब अपने पैरों को थोड़ा फैलाकर रखें। इसके बाद अपने हाथों को कमर के पीछे जोड़ लें। अब सांस लेते हुए अपने सीने को ऊपर उठाने की कोशिश करें और सिर को पीछे की ओर झुकाएं, ताकि सिर जमीन पर लगे। इस अवस्था में कुछ मिनट तक बने रहें और धीरे-धीरे वापस सामान्य अवस्था में आ जाएं।

जानिए यह दिल को कैसे पहुंचाता है फायदा

मत्स्यासन का अभ्यास करने से रक्त प्रवाह को बढ़ाने और बेहतर बनाने में मदद मिलती है। जब हम इस आसन को करते हैं तो हमारा सीना हल्का फैलता है, जिससे रक्त की गति बेहतर होती है। इससे हृदय की कार्यक्षमता बढ़ती है और यह अधिक प्रभावी ढंग से काम करता है। इसके अलावा, यह आसन तनाव को कम करता है, जो हृदय रोग के खतरे को घटाने में मदद कर सकता है।

नियमित अभ्यास से मिलेंगे ये फायदे

कोई भी योगासन तभी असरदार होता है, जब उसका नियमित अभ्यास किया जाए। मत्स्यासन के लाभ हासिल करने के लिए इसे रोजाना करने का प्रयास करें। इससे न केवल हृदय स्वस्थ रहता है, बल्कि मानसिक स्थिति भी बेहतर होती है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर में लचीलापन आता है और लोग अधिक ऊर्जावान महसूस करने लगते हैं। इसके अलावा, यह आसन आपकी पाचन क्रिया को भी सुधारता है, जिससे संपूर्ण स्वास्थ्य में सुधार होता है।

मत्स्यासन करते समय बरतें ये सावधानियां

मत्स्यासन करते समय कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है, ताकि चोट से बचा जा सके। अगर आपकी पीठ या गर्दन में दर्द है तो इस आसन को न करें। गर्भवती महिलाओं को भी यह आसन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा, अगर किसी को उच्च रक्तचाप या हृदय रोग हो तो डॉक्टर की सलाह लेकर ही इसे करें। इसे करते समय जल्दबाजी न करें, वार्ना आप चोटिल हो जाएंगे और आपके पैर या हाथ में मोच आ जाएगी।

शहद से जुड़े इन भ्रमों पर कई लोग करते हैं विश्वास, जानिए इनकी सच्चाई

शहद को अक्सर एक प्राकृतिक और सेहतमंद विकल्प के रूप में देखा जाता है, लेकिन इसके बारे में कई गलतफ हमियां भी प्रचलित हैं, जिन पर लोग आंख मूंदकर विश्वास कर लेते हैं। इस लेख में हम शहद से जुड़े पांच ऐसे भ्रमों की चर्चा करेंगे, जो वास्तव में सच नहीं हैं। इन भ्रमों की सच्चाई जानकर आप शहद का सही उपयोग कर सकते हैं और अपनी सेहत का बेहतर ख्याल रख सकते हैं।

भ्रम- शहद चीनी का स्वस्थ विकल्प है

कई लोग मानते हैं कि शहद चीनी का सेहतमंद विकल्प है, लेकिन यह पूरी तरह सही नहीं है। शहद और चीनी दोनों में ग्लूकोज और फ्रक्टोज होते हैं, जो शरीर को समान ऊर्जा देते हैं। शहद में कुछ विटामिन और मिनरल्स होते हैं, लेकिन ये इतनी कम मात्रा में होते हैं कि सेहत पर खास असर नहीं डालते। इसलिए वजन घटाने या मधुमेह के लिए चीनी की जगह शहद का उपयोग करने वाले सोच-समझकर इसका इस्तेमाल करें।

भ्रम- गर्म पानी में शहद मिलाकर पीने से वजन घटाता है

सुबह-सुबह खाली पेट गर्म पानी में शहद मिलाकर पीने को वजन

घटाने का रामबाण उपाय माना जाता है, लेकिन सच्चाई यह है कि केवल गर्म पानी और शहद पीने भर से वजन कम नहीं होता है। वजन घटाने के लिए संतुलित आहार और नियमित एक्सरसाइज जरूरी होता है। हां, गर्म पानी आपके पाचन तंत्र को सक्रिय करता है और आपको दिनभर तरोताजा महसूस करने में मदद करता है, लेकिन इसका सीधा संबंध वजन घटाने से नहीं होता।

भ्रम- हर प्रकार की खांसी-जुकाम के लिए शहद फायदेमंद होता है

शहद को खांसी-जुकाम के घरेलू इलाज के रूप में देखा जाता है, लेकिन यह हर प्रकार की खांसी-जुकाम पर असरदार नहीं होता है। कुछ मामलों में जहां बैक्टीरियल संक्रमण हो सकता है या एलर्जी हो सकती है वहां केवल शहद काम नहीं करेगा। हालांकि, हल्की-फुल्की सर्दी-खांसी या गले की खराश जैसी समस्याओं में यह राहत दे सकता है क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो गले को आराम पहुंचाते हैं।

भ्रम- शहद बच्चों के लिए पूरी तरह सुरक्षित होता है

अक्सर माता-पिता अपने छोटे बच्चों को भी बिना सोचे-समझे शहद दे देते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि यह प्राकृतिक चीज होने के कारण सुरक्षित होगा। हालांकि, एक साल से कम उम्र के बच्चों को कभी भी शहद नहीं देना चाहिए क्योंकि इसमें बोटुलिज्म नामक बैक्टीरिया हो सकता है, जो छोटे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने पर गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

भ्रम- शहद को त्वचा पर लगाने मात्र से चमक आएगी

शुद्धता और प्राकृतिक गुणों की वजह से कई लोग मानते हैं कि सिर्फ चेहरे पर लगाने भर से त्वचा चमक उठेगी, जबकि असलियत ये होती कि त्वचा की देखभाल सिर्फ बाहरी उपचार तक सीमित न होकर अंदरूनी पोषण भी मांगती होती है। हालांकि, शुद्धता और मॉइस्चराइजिंग गुणों वाली सामग्री जैसे नींबू , दही आदि मिलाकर मास्क बनाकर इस्तेमाल करने पर फायदा जरूर मिल सकता है।

उत्तर पूर्वी राज्यों की सैर कराने 22 अप्रैल को रवाना होगी भारत गौरव डीलक्स ऐसी पर्यटक ट्रेन

दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 14 रात-15 दिन के नॉर्थ ईस्ट डिस्कवरी टूर का ले सकेंगे मजा

नईदिल्ली। भारतीय रेल, देश के पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन को बढ़ाने के लिए भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन का संचालन शुरू कर रही है। इस ट्रेन को 22 अप्रैल 2025 को दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से रवाना किया जाना प्रस्तावित किया गया है। कुल 15 दिनों की इस यात्रा में पर्यटकों को असम स्थित गुवाहाटी, काजीरंगा, जोरहाट व शिवसागर, अरुणाचल प्रदेश में इटानगर, नागालैंड में दिमापुर व कोहिमा, त्रिपुरा में उनाकोटी, अगरतला व उदयपुर तथा मेघालय स्थित शिलॉन्ग व चेरापुंजी का भ्रमण कराया जाएगा।

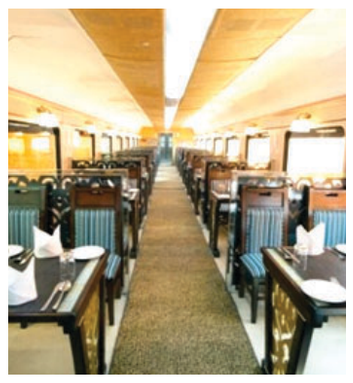

आधुनिक साज सज्जा के साथ तैयार डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन द्वारा पर्यटकों को न केवल पूर्वोत्तर भारत के महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों के भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होगा, वहाँ की सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौन्दर्य को निहारने का भी मौका प्राप्त होगा। भारत गौरव ट्रेन द्वारा संचालित यह यात्रा पूर्वोत्तर के राज्यों को रेल के द्वारा देश के अन्य हिस्सों से जोड़ेगी और घरेलू पर्यटकों को पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन स्थलों के भ्रमण के लिए प्रेरित करेगी।

पहला पड़ाव गुवाहाटी

दिल्ली से रवाना होकर पर्यटक ट्रेन गुवाहाटी पहुंचेगी, जहां कामाख्या देवी मंदिर व उमानन्दा मंदिर का दर्शन कराया जाएगा। होटलों में रात्रि विश्राम होगा। साथ ही पर्यटक गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी पर क्रूज का आनंद भी ले सकेंगे। गुवाहाटी से चल कर यह ट्रेन अरुणाचल स्थित नाहरलगुन स्टेशन के लिए रवाना होगी, जहां पर्यटकों को प्रदेश की राजधानी इटानगर स्थित गोम्पा बुद्धिस्ट मंदिर और थेरावदा बुद्धिस्ट मंदिर का भ्रमण कराया जाएगा।

दूसरा पड़ाव असम का पूर्वी भाग

ट्रेन का अगला पड़ाव असम के पूर्वी भाग में स्थित शिवसागर होगा, जो प्राचीन अहोम वंश की राजधानी रहा है। शिवसागर में प्राचीन शिव मंदिर व अन्य विरासत स्थलों का भ्रमण करने के उपरांत पर्यटक जोरहाट के चाय बागान देखते हुए काजीरंगा के लिए बसों द्वारा रवाना किए जाएंगे। जहां रात्रि विश्राम भी होगा और अगले दिन पर्यटकों को काजीरंगा राष्ट्रीय अभयारण्य का भ्रमण कराया जाएगा। काजीरंगा से चलकर पर्यटक फुरकटिंग रेलवे स्टेशन जाएंगे, जहां से ट्रेन पर सवार होकर त्रिपुरा की राजधानी अगरतला के लिए रवाना होंगे।

त्रिपुरा में दो दिन का पड़ाव

त्रिपुरा में पर्यटक दो दिनों के अंदर उनाकोटी के विरासत स्थल और अन्य ऐतिहासिक स्मारकों जैसे उजयंता महल व नीर महल का भ्रमण करेंगे। साथ ही पर्यटकों को उदयपुर स्थित शक्तिपीठ त्रिपुर सुंदरी मंदिर का दर्शन भी कराया जाएगा। यहाँ से ट्रेन अपने अगले पड़ाव नागालैंड स्थित दिमापुर रेलवे स्टेशन के लिए रवाना होगी, इस यात्रा में बदरपुर से लेकर लूमडिंग रेलवे स्टेशन के मध्य स्थित प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद भी ट्रेन यात्रा के माध्यम से लिया जा सकेगा।

दिमापुर के पर्यटक स्थल भी देख सकेंगे

दिमापुर से पर्यटक बसों द्वारा नागालैंड की राजधानी कोहिमा जाएंगे, जहां कोहिमा शहर के दर्शनीय स्थानों के भ्रमण के साथ ही पर्यटकों को स्थानीय नागा समुदाय की जीवन शैली को देखने के लिए खोनोमा गाँव का भ्रमण के साथ ही कोहिमा में रात्रि विश्राम की व्यवस्था भी कराई जाएगी। दिमापुर से ट्रेन अगले दिन गुवाहाटी के लिए प्रस्थान करेगी। गुवाहाटी पहुँच कर पर्यटकों को बसों द्वारा मेघालय की राजधानी शिलांग ले जाया जाएगा, जहां पर्यटक प्रसिद्ध ऊमियम झील व अन्य दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करेंगे। शिलांग में रात्रि विश्राम के पश्चात अगले दिन पर्यटक बसों द्वारा चेरापूंजी के आकर्षक प्राकृतिक स्थलों, सुंदर झरनों व प्राचीन गुफाओं को देखेंगे और शाम को गुवाहाटी के लिए रवाना हो जाएंगे। गुवाहाटी से रात्रि काल में ट्रेन पर्यटकों को लेकर दिल्ली वापसी के लिए प्रस्थान करेगी व यात्रा के 15वें दिन दिल्ली पहुंच जाएगी। इस दौरान ट्रेन द्वारा लगभग 5800 किमी की यात्रा पूरी की जाएगी।

यात्रा के दौरान भोजन की व्यवस्था

यात्रा के दौरान एसी प्रथम, एसी द्वितीय पर्यटकों को ट्रेन की पैन्ट्री में निर्मित शुद्ध शाकाहारी भोजन ट्रेन के रेस्टोरेंट में परोसा जायेगा। एसी तृतीय श्रेणी के पर्यटकों को उनकी बर्थ पर पैन्ट्री में निर्मित शुद्ध शाकाहारी भोजन परोसा जाएगा। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस पूर्णतया वातानुकूलित पर्यटक ट्रेन में एसी प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी और एसी तृतीय के यात्री कोच के अतिरिक्त दो रेल डाइनिंग रेस्तरां एक आधुनिक किचन कार व यात्रियों के लिए फुट मसाजर, मिनी लाइब्रेरी, आधुनिक एवं स्वच्छ शौचालय और शॉवर क्यूबिकल आदि की सुविधा भी उपलब्ध होगी। सुरक्षा गार्ड, इलेक्ट्रॉनिक लॉकर एवं सीसीटीवी कैमरे भी प्रत्येक कोच में उपलब्ध रहेंगे।

एफसीआई में तेजी से चांवल जमा कराएंः खाद्य मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल दूसरे दिन मार्कफेड के अधिकारियों के बैठक लेकर राज्य में समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान का तेजी से उठाव और कस्टम मिलिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मार्कफेड के अधिकारियों से कहा कि उपार्जन केंद्रों में शेष बचे धान के उठाव और कस्टम मिलिंग पश्चात् राईस मिलरों के साथ समन्वय बनाकर एफसीआई में चावल जमा कराई जाए। श्री बघेल ने नया रायपुर स्थित आईपी. क्लब स्थित छत्तीसगढ़ राज्य विपणन सहकारी संघ के सभाकक्ष में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

खाद्य मंत्री श्री बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार किसानों को प्राथमिकता में रखकर काम कर रही है। किसानों को सहूलियत पहुंचाना हमारी महती जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अगामी खरीफविपणन वर्ष के लिए अभी से तैयारी प्रारंभ की जाए। सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में को संग्रहण केंद्रों की स्थिति का जायजा लेने नए संग्रहण केंद्रों के निर्माण के लिए शीघ्र प्रस्ताव भेजा जाए।

उन्होंने कहा कि धान उर्पाजन की स्थिति को देखते हुए संग्रहण केंद्र का निर्माण होना चाहिए ताकि उपार्जन केंद्रों से संग्रहण केंद्र ले जाने जो परिवहन लागत होती है उसको कमी लाई जा सके। आगामी खरीफविपणन वर्ष की तैयारी के हिसाब से फेंसिंग कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपूर्ण व नए अधोसंरचना निर्माण के कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में मार्कफेड के प्रबंध संचालक रमेश शर्मा, जिला विपणन अधिकारी तथा एनआईसी के अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

शासन की योजनाओं से जनमानस को लाभान्वित करने की जरूरत : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि सुशासन तिहार 2025 के लिए सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समाधान पेटी में आवेदन जमा कराएं। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार में विभागवार समस्याओं, शिकायतों एवं मांग के संबंध में जानकारी अपडेट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समस्याओं का निराकरण गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए।

सभी अधिकारी सुशासन तिहार के दौरान एक-एक विकासखंड में फिल्ड में दौरा जाना सुनिश्चित करें। सुशासन तिहार के दृष्टिगत उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दीवार लेखन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निराकरण का कार्य जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं देखेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी मांग व समस्या के संबंध में नीतियों में परिवर्तन हेतु प्रस्ताव भेजने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है। प्रतिदिन पोर्टल का अवलोकन कर निराकरण करना सुनिश्चित करें।

आवेदनों को अपलोड करने का कार्य प्रतिदिन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि सक्रियता एवं तत्परता के साथ कार्य करते हुए शासन की योजनाओं से जनमानस को लाभान्वित करना है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने उक्त बातें कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में कही। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत पेयजल की समस्या के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पेयजल की आपूर्ति के लिए हैण्डपंप मरम्मत कराते रहे। बारिश के समय हर गांव में जल संरक्षण के लिए नाला बंधान का कार्य करें।

कलेक्टर ने कहा कि जल संरक्षण के दृष्टिगत बड़े गहरे तालाब बनाने की आवश्यकता है, ताकि वहां पानी की उपलब्धता बनी रहे।

मुख्यमंत्री पर भरोसा : होगा समस्याओं का समाधान, पूरी होगी मांगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। सुशासन तिहार को लेकर लोगों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पर भरोसा जताया है। लोगों का कहना है कि इस सुशासन तिहार से समस्याओं का समाधान होगा, वहीं मांगें भी पूरी होंगी। साथ ही शासन-प्रशासन के समक्ष अपनी बातें रखने का मौका भी मिलेगा। जिले में सुशासन तिहार को पहले दिन से ही अच्छा प्रतिसाद मिलने लगा है। जिले के सभी सरकारी कार्यालयों, ग्राम पंचायतों, नगर पंचायतों, जनपद पंचायतों और नगर निगमों में रखे समाधान पेटी में लोग आकर अपनी मांग, समस्या और शिकायत संबंधी आवेदन डालते नजर आये। जिले में आज पहले ही दिन दो हजार नौ सौ आवेदन समाधान पेटियों में डाले गए।

कलेक्टोरेट में लगे समाधान पेटी में लाल बगीचा वार्ड से आये झाड़ूराम मंडावी ने पैतृक जमीन के विवाद संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया है। मंडावी बताते हैं कि इससे पहले भी वे इस प्रकरण को लेकर लगभग विभिन्न विभागों में आवेदन किए हैं। अ बवे कलेक्टोरेट में लगे समाधान पेटी में आवेदन डाले हैं। उन्होंने प्रदेश के मुखिया साय पर भरोसा जताया और कहा कि मुझे विश्वास है कि मेरी समस्या का समाधान जरूर निकल आयेगा। मंडावी ने कहा कि यह प्रदेश सरकार की सराहनीय पहल है। वहीं समाज कल्याण विभाग द्वारा रखी गयी समाधान पेटी में अपना आवेदन देने आये तेलीनसत्ती के ओमन सिन्हा ने कहा कि वे समाज कल्याण विभाग में कार्यरत हैं और शासन की श्रमिक सम्मान राशि प्रदान करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि विष्णु देव साय सरकार अन्य लोगों के साथ ही दिव्यांगजनों को भी समान अधिकार प्रदाय करने अवसर दे रही है।

रोजगार दिवस के अवसर पर ग्रामीणों ने जाना अपने अधिकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत प्रत्येक माह की 7 तारीख को आयोजित होने वाले रोजगार दिवस का आयोजन कबीरधाम जिले के वनांचल गांवों से लेकर मैदानी पंचायतों तक व्यापक स्तर पर किया गया। इस अवसर पर निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों एवं ग्राम पंचायत भवन में एकत्रित ग्रामीणों को मनरेगा से संबंधित विभिन्न जानकारी दी गई।

रोजगार दिवस के दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि 1 अप्रैल 2025 से मनरेगा के तहत दैनिक मजदूरी दर 261 रूपए निर्धारित की गई है। साथ ही, नए परिवारों के पंजीयन, परिवार रोजगार कार्ड में नए सदस्यों के नाम जोड़ने, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पात्र परिवारों की पहचान, निर्माण कार्य के दौरान मिलने वाले आवेदन, सुझाव और शिकायतों से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। प्रत्येक परिवार को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध हो, इसके लिए भी मार्गदर्शन किया गया।

जिला पंचायत के सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार दिवस के माध्यम से ग्रामीणों को न केवल योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाता है, बल्कि उन्हें आजीविका संवर्धन की गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास भी किया जाता है। प्रोजेक्ट उन्नति जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है।

रोजगार दिवस ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माणाधीन परिसंपत्तियों और निर्माण कार्यों में स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है।

छत्तीसगढ़ में जशपुर से होगी योग ओलम्पियाड की शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा ने सर्किट हाउस एक प्रेस क्रांफेस आयोजित कर राज्य में योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए योग आयोग के द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली के लिए योग के महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र संघ ने 11 दिसंबर 2014 में 21 जून को अंतराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया था। आज पूरी दुनिया योग का लाभ लेकर स्वस्थ जीवनशैली को अपना रहे हैं। छत्तीसगढ़ में योग आयोग का गठन 2017 में हुआ। तब से योग आयोग का प्रयास रहा है कि छत्तीसगढ़ के दूरस्थ इलाकों में योग के प्रचार-प्रसार कर इसके महत्व के बारे में बताया जाए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में योग ओलम्पियाड की शुरूआत जशपुर से होगी। समाज कल्याण विभाग के द्वारा योगासन कार्यक्रम का आयोजन कर शहरों से लेकर गांवों तक योग से होने वाले लाभों की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जा रही है। योग का जन्म भारतभूमि पर हुआ है। यह हमारे ऋषि-मुनियों के द्वारा खोजी गई विधा है, इस विधा का लाभ आज संपूर्ण विश्व को मिल रहा है। योग के यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, साधना, समाधि है। उन्होंने कहा कि शालेय छात्रों के जीवन चर्या में योग को शामिल करने के लिए कार्यक्रम चलाया जाएगा।

इसके लिए एक साकारात्मक महौल बनाया जाएगा, ताकि लोग स्वमेंव इससे जुड़कर इसका लाभ ले सके। उन्होंने कहा कि योग आयोग के तत्वाधान में गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान स्वस्थ प्रसव हेतु आवश्यक योगाभ्यास सिखाने हेतु पूर्व में भी अभियान चलाया गया था।

जिसके साकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं। वन्य क्षेत्रों मे भी ग्रामीणों को योग से जोड़ने के लिए आयोग के द्वारा विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने योगों से होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

जिले में पोषण पखवाड़े की हुई शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। कुपोषण और एनीमिया की रोकथाम के उद्देश्य से आज से पूरे छत्तीसगढ़ सहित जशपुर जिले में पोषण पखवाड़े की शुरुआत की गई। यह कार्यक्रम 08 से 22 अप्रैल तक कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित किया जाएगा। जिले में पोषण पखवाड़ा की शुरुआत पोषण शपथ के साथ की गई।

पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत पोषण जागरूकता के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय शर्मा के निर्देशानुसार किया जाएगा। इनमें गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, बच्चों और किशोरियों को सही पोषण के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस पखवाड़े के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण परामर्श, स्वास्थ्य जांच और जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नगरपालिका जशपुर के वार्ड नंबर 06 के आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में पार्षद कमला कुमारी ने कहा कि शासन द्वारा महिलाओं के सही पोषण एवं स्वास्थ्य रक्षा के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं आपको उनका लाभ लेना चाहिए। महिला बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार समुचित पोषण द्वारा एनीमिया एवं कुपोषण को रोकने के लिए कार्य किया जाता है। आप सभी को इसमें जुड़कर आपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रयास करना चाहिए।

पोषण पखवाड़ा : कलेक्टर ने सुपोषण रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

कोण्डागांव। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने पोषण पखवाड़ा 2025 अंतर्गत जिला कार्यालय से सुपोषण रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह सुपोषण रथ पुरे जिले भर में भ्रमण कर लोगों को सुपोषण के प्रति जागरूक करेगी। उल्लेखनीय है कि महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार पोषण अभियान के अंतर्गत जिले में पोषण पखवाड़ा 2025 शुरू हो गया है, जो 22 अप्रैल तक किया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। पोषण पखवाड़ा के दौरान जीवन के प्रथम 1000 दिवस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही पोषण ट्रैकर में उपलब्ध बेनिफिशियरी मॉड्यूल का प्रचार-प्रसार, सी-मैम मॉड्यूल के माध्यम से कुपोषण प्रबंधन तथा बच्चों में मोटापे की रोकथाम हेतु स्वस्थ जीवनशैली पर जागरूकता बढ़ाई जाएगी।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

नाबालिग ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, परिजनों में मचा कोहराम

बिलासपुर। जिले से एक सनसनीखेज मामल सामने आया है, जहां एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की की बंद कमरे में फांसी के फंदे पर लटकी हुई लाश मिली है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। यह मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के कूदुदंड स्थित माताचौरा इलाके का है। जानकारी के अनुसार, घटना का खुलासा तब हुआ जब मृतका के सामने रहने वाली एक परिचित युवती उसके लिए नाश्ता लेकर पहुंची। युवती ने दरवाजे पर आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसी बीच मृतका का एक दोस्त वहां आया और कमरे की ओर गया। वहां उसने देखा कि नाबालिग लड़की पंखे से फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। आनन-फानन में इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। लेकिन आत्महत्या के कारणों का अभी तक कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस मामले में हर एंगल से जांच कर रही है और परिजनों से भी पूछताछ जारी है।

चोरी मामले के में तीन बहनें गिरफ्तार, 26 लाख के जेवर बरामद

बिलासपुर। बिलासपुर में 3 बहनों ने मिलकर एक ज्वेलरी शॉप से तकरीबन 26 लाख के गहने चुराए है। तीनों फुफेरी और ममेरी बहनें है। वे तीनों बिल्हा के शिवशंकर ज्वेलर्स की नियमित ग्राहक थी और अक्सर कार में सवार होकर शॉपिंग के लिए पहुंचती और मौका मिलते ही सोने-चांदी के गहने पार कर देती। मामला बिल्हा थाना क्षेत्र का है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उनका चोरी का यह सिलसिला पिछले 3 साल से चल रहा था। दुकान संचालक मनोहर जायसवाल को ग्राहकों के जाने के बाद जब दुकान में जेवर कम मिले, तब सीसीटीवी वीडियो चेक किया। जिसमें महिलाएं गहने चोरी करते हुए नजर आईं। जांच के बाद पुलिस ने तीन महिलाओं के साथ ही एक महिला के पति को भी गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से 230 ग्राम सोना, डेढ़ किलो चांदी और नगदी समेत 26 लाख 83 हजार रुपए का माल बरामद हुआ है। डीएसपी अनिता प्रभा मिंज ने बताया कि बीते 6 अप्रैल को जब संजना साहू (25) फिर से खरीदारी के बहाने दुकान पहुंची तो दुकान संचालक ने पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने बहतराई निवासी अपनी बहन सीमा साहू (30), लगरा निवासी अनिता साहू (25) के साथ मिलकर गहनों की चोरी करना स्वीकार किया। उनसे पूछताछ के बाद पुलिस ने उनके पास से 230 ग्राम सोना, डेढ़ किलो चांदी और 4 लाख 47 हजार रुपए नकद बरामद किया है।

बीजापुर-तेलंगाना सीमा पर नक्सलियों ने बिछाए लाखों आईईडी, पर्चा जारी कर ग्रामीणों को किया सचेत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। नक्सलियों ने बीजापुर व तेलंगाना सीमा पर लाखों की संख्या में आईईडी प्लांट किया हुआ है। इसकी जानकारी नक्सलियों ने खुद ही पर्चा जारी कर दी है। दरअसल नक्सलियों ने ग्रामीणों को इन पहाड़ियों की ओर आने से बचने की सलाह दी है। नक्सलियों के वेंकटापुरम वाजेड एरिया कमेटी के सचिव ने तेलुगु भाषा में प्रेस नोट जारी करते हुए ग्रामीणों से अपील की है कि पहाड़ी की ओर ना जाएं। नक्सलियों के द्वारा वहां काफी संख्या में आईईडी लगाए हैं, जिससे बड़ा नुकसान हो सकता है।

बता दें नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से ग्रामीणों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। कुछ दिन पहले एक महिला की जान चली गई। उससे पहले भी एक ग्रामीण आईईडी की चपेट में आ गया था। दो दिन पहले सोमवार को नारायणपुर में एक आईईडी ब्लास्ट हो गया जिसमें एक ग्रामीण के पैर के चीथड़े उड़ गए। ग्रामीण पुल निर्माण के लिए गिट्टी देने गया था और वापसी में नित्यकर्म के लिए गया और आईईडी की चपेट में आ गया। इस तरह की और भी घटनाए हो रही है।

अब नक्सलियों के वेंकटापुरम वाजेड एरिया कमेटी की सचिव शांता ने तेलुगु भाषा में प्रेस नोट जारी कर जानकारी दी है। नक्सली नेता शांता ने ग्रामीणों से पहाड़ियों की ओर शिकार या अन्य काम से न आने की अपील की है। ऐसा करने पर एक बड़ा नुकसान होने के साथ ही ग्रामीणों को अपनी जान तक गवानी पड़ सकती है। नक्सली नेता का कहना है कि पहाड़ियों पर मौजूद नक्सली नेताओं की जासूसी करने के लिए पुलिस ग्रामीणों को शिकार के नाम पर पहाड़ियों की ओर भेज रही है, जिसके चलते उनके द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से ग्रामीणों की मौत हो रही है।

नक्सली जोनल कमांडर गिरफ्तार

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ और झारखंड सीमा क्षेत्र में सक्रिय नक्सली जोनल कमांडर राजेन्द्र सिंह खैरवार उर्फ दिलीप उर्फ विश्वनाथ को बलरामपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह छत्तीसगढ़ और झारखंड में दर्जनों नक्सली वारदातों में शामिल रहा है। राजेंद्र खैरवार को पहले भी गिरफ्तार किया गया था और जेल भी भेजा गया था। लेकिन जमानत पर छूटने के बाद वह फिर से नक्सली संगठन में सक्रिय हो गया था। जानकारी के मुताबिक, लगभग 15 वर्षों तक नक्सली संगठन में सक्रिय राजेन्द्र सिंह खैरवार उर्फ दिलीप उर्फ विश्वनाथ को पुलिस ने झारखंड जाकर गिरफ्तार किया है। वह पूर्व में पुलिस के साथ हुए कई मुठभेड़ों में शामिल रहा है। बलरामपुर जिले में तत्कालीन आईजी स्व. बीएस मरावी पर घात लगाकर हमले की घटना में भी राजेंद्र खैरवार शामिल था।

राजेन्द्र सिंह खैरवार उर्फ दिलीप वर्ष 2000 में पीपुल्स वार ग्रुप (PWG) में शामिल हुआ था। उस समय पीडब्ल्यूजी और एमसीसी का विलय नहीं हुआ था। 10 वर्ष पहले बलरामपुर जिले की रघुनाथनगर पुलिस ने उसे बंदूक के साथ गिरफ्तार किया था। इस बार उसकी गिरफ्तारी बलरामपुर जिले के सबाग से चुनचुना पुन्दाग मार्ग पर टिफिन बम लगाने की घटना में की गई है। वह मूलतः गढ़वा जिले के थाना रमकंडा अंतर्गत उदयपुर का निवासी है। उसके घर पहुंचने की सूचना पर बलरामपुर एसपी वैभव बैंकर के निर्देश पर थाना प्रभारी सामरी की टीम झारखंड पहुंची और उसे गिरफ्तार किया। सब जोनल कमांडर राजेंद्र सिंह खैरवार ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2000 से 2002 के बीच वह नक्सलियों के साथ थाना भंडरिया के ग्राम मरदा बरगड़ और थाना रंका में चिनिया घाट में पुलिस के साथ मुठभेड़ में शामिल रहा। इसके अलावा, बलरामपुर जिला के चांदो थाना के गाम शाहपुर में पुलिस से मुठभेड़ और ग्रामीणों की हत्या, ग्राम चंदननगर में एहसान मियां और उमर फारूख की पिटाई, भंवरमाल के भागीरथी गुप्ता की बंदूक लूट और पिटाई, ग्राम महावीरगंज में मुमताज और दीक्षित के बंदूक लूट की घटना में शामिल था।

मुकबधिर युवती से दुष्कर्म का प्रयास मुंहबोले चाचा का कारनामा, गिरफ्त में

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मोहन नगर थाना क्षेत्र में मुकबधिर युवती से दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। घटना मंगलवार सुबह की बताई जा रही है। 33 वर्षीय युवक ने घर में सो रही युवती से छेड़छाड़ करते हुए दुष्कर्म का प्रयास किया। युवती चीखते हुए घर से बाहर निकली तो मोहल्ले वालों ने युवक को पकड़ा और पुलिस को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार मोहन नगर थाना क्षेत्र के कातुलबोड की यह घटना है। पुलिस के अनुसार 19 वर्षीय मुकबधिर युवती अपने घर पर सो रही थी। इस दौरान उसका छोटा भाई भी घर पर था। इस बीच 33 वर्षीय तामेश्वर यादव घर पहुंचा और सोई हुई युवती से छेड़छाड़ करने लगा। इस दौरान युवती उठी और अपने आप को बचाने का प्रयास किया लेकिन युवक उससे जबरदस्ती का प्रयास करने लगा। युवती ने किसी तरह अपने आप को छुड़ाया और चीखते हुए बाहर भागी। युवती की चीख सुनकर मोहल्ले वाले पहुंच गए और युवक को पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तामेश्वर यादव को हिरासत में लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने बताया कि आरोपी तामेश्वर यादव युवती के पिता के साथ काम करता है और घर पर आना जाना लगा रहता था। जान पहचान का फायदा उठाकर उसने इस जघन्य कृत्य को अंजाम देने का मन बनाया।

हाइपर क्लब बना देह व्यापार और नशे का अड्डा

रायपुर (ए.)। राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड पर स्थित हाइपर क्लब अब सिर्फ एक क्लब नहीं, बल्कि राजधानी की संस्कृति पर हमला बन चुका है। यहां रोज़ाना रातभर अश्लील डांस, देह व्यापार, विदेशी युवतियों का कैबरे और नशे की पराकाष्ठा देखी जाती है। इस गंदगी का सरगना है जेम्स बेक, जो कभी स्वास्थ्य विभाग में बाबू था और घोटालों में लिप्त पाए जाने पर विभाग से निलंबित कर दिया गया था। अब यही जेम्स बेक, अपने भतीजे टीनू सिंह (निवासी बैकुंठपुर, जिला कोरिया) के साथ मिलकर क्लब की आड़ में राजधानी में अश्लीलता, देह व्यापार और अवैध वसूली का एक संगठित तंत्र चला रहा है।

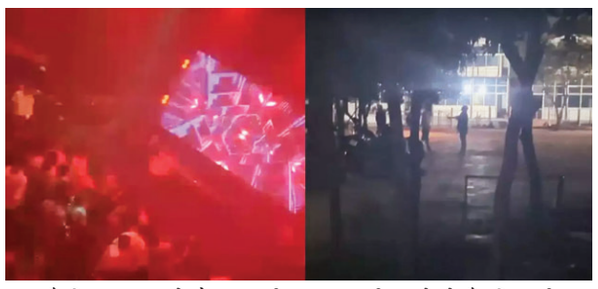

जानबूझकर विवाद करवा कर वसूली जाती है मोटी रकम हाइपर क्लब में जानबूझकर पार्टियों के दौरान विवाद कराए जाते हैं, जिससे युवाओं से डरा-धमकाकर अवैध वसूली की जाती है। एक वीडियो फुटेज में यह साफ देखा गया है कि रात 3 बजे के बाद भी क्लब में खुलेआम अश्लील गतिविधियां जारी थीं। सांकेतिक तस्वीर (AI) सांकेतिक तस्वीर (AI) सुबह 5 बजे तक आफ्टर पार्टी, सप्लाई होती हैं लड़कियां इस क्लब में आफ्टर पार्टी सुबह 5 बजे तक चलती है, जिसमें विशेष रूप से बुलवाई गई लड़कियां शामिल होती हैं। ये लड़कियां जेम्स बेक द्वारा खुद ग्राहकों को उपलब्ध कराई जाती हैं, जिनमें से कई एचआईवी संक्रमित होने की पुष्ट जानकारी सामने आई है। सूत्रों के अनुसार सबसे भयावह तथ्य यह है कि जेम्स बेक को इन लड़कियों की एचआईवी स्थिति की जानकारी पहले से है, फिर भी वह उन्हें रोजाना अलग-अलग लोगों को सप्लाई कर रहा है। यह न सिर्फ अनैतिक और अपराध है, बल्कि समाज को सीधे मौत के मुंह में धकेलने जैसा कृत्य है। फर्जी सरकारी अधिकारी और छुटभैया नेता भी शामिल।

सूत्रों की मानें तो जेम्स बेक शहर के बड़े रसूखदारों, छुटभैया नेता और यहां तक कि कुछ फर्जी सरकारी अधिकारियों तक भी इन लड़कियों को पहुंचाने का काम करता है। यह स्पष्ट संकेत है कि इस पूरे गोरखधंधे को किसी न किसी ऊंचे स्तर पर संरक्षण प्राप्त है। हाइपर क्लब बना ड्रग्स का अड्डा, एमडीएमए से कोकेन तक बिक रहा ज़हर हाइपर क्लब अब केवल अश्लीलता और जिस्मफरोशी का अड्डा नहीं, बल्कि मादक पदार्थों के काले कारोबार का भी मुख्य केंद्र बन चुका है। क्लब के भीतर एमडीएमए (8000 ग्राम), ब्राऊन शुगर (रुपए 5000 ग्राम), कोकेन(रुपए 18000 ग्राम), चिट्टा(रुपए 10000 ग्राम), एसिड (2000 टिकट), मौली (2000 टैबलेट) और हाइब्रिड मरुआना (4500 ग्राम) जैसे घातक नशे खुलेआम बेचे जाते हैं। ये सभी नशे युवाओं को नष्ट करने और समाज को बर्बादी की तरफ धकेलने का ज़हर बन चुके हैं, जिन्हें बेचने और फैलाने का संगठित नेटवर्क जेम्स बेक और टीनू सिंह जैसे असामाजिक तत्वों द्वारा संचालित किया जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि ये घातक ड्रग्स रायपुर तक कैसे पहुंच रहे हैं और इसके पीछे कौन सी ताकतें हैं जो इस पूरे नशा व्यापार को संरक्षण दे रही हैं?

घायलों की जान बचाने समाज के युवाओं को सामने आने की अपील

रायपुर। जिला रायपुर क्षेत्रांतर्गत गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग, राजकीय राजमार्ग एवं अन्य मार्गो में फरवरी एवं मार्च 2025 में घटित सड़क दुर्घटना के प्रकरणों में आगे बढ़कर घायलों की जान बचाने वाले 05 गुड सेमेरिटन (नेक व्यक्तियों) को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतिक चिन्ह भेंट कर एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने किया सम्मानित साथ ही सड़क दुर्घटना में घायलों की जान बचाने समाज के युवाओं को सामने आने की अपील। ज्ञात हो कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा सड़क दुर्घटना में घायलों को त्वरित चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कर जान बचाने वाले व्यक्तियों को ''गुड सेमेरिटन'' अर्थात नेक व्यक्ति की संज्ञा देते हुए इन्हे अधिक से अधिक प्रोत्साहित व पुरस्कृत करने व गुड सेमेरिटन कानून का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने निर्देशित किया गया है जिसके तहत आज दिनांक को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा फरवरी एवं मार्च 2025 में जिले के अलग-अलग सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद कर उनकी जान बचाने वाले 05 गुड सेमेरिटन (नेक व्यक्तियों) को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतिक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया, साथ ही यातायात पुलिस के अधिकारियों को इनके सम्मान का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार के लिए शहर के रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, कलेक्टोरेट गेट एवं मरीन ड्राइव आदि प्रमुख स्थानों में होर्डिंग्स फ्लैक्स लगाने निर्देशित किया गया।

बता दें कि देश में प्रति वर्ष सड़क दुर्घटना में लगभग डेढ़ लाख लोगों की असमय मृत्यु कारित होती है, जिसका प्रमुख कारण घायलों को त्वरित चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नही होने के कारण होता है। सड़क दुर्घटना के दौरान प्रथम 1 घण्टे का समय घायलों के लिए गोल्डन आवर होता है, इस दौरान यदि घायल व्यक्ति को किसी भी प्रकार से हास्पिटल तक पहुंचा दिया जाता है या फिर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध करा दिया जाता है तो 90 प्रतिशत मामले में घायल की जान बचाई जा सकती है। किन्तु आज के समय में अधिकांशतः व्यक्ति कानूनी लफड़े में नहीं पड़ने के चक्कर में घायल व्यक्ति की जान बचाने के लिए कोई उपाय नही करता, जिससे घायल व्यक्ति उपचार के

अभाव में तड़प-तड़प कर घटनास्थल में ही दम तोड़ देता है। जिसे दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला रायुपर डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि थाना क्षेत्र में घटित सड़क दुर्घटना में घायल को त्वरित सहायता पहुंचाने हेतु गुड सेमेरिटन का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने एवं घायल को त्वरित सहायता पहुंचाकर जान बचाने वाले गुड सेमेरिटन को प्रोत्साहित व पुरस्कृत करने हेतु उपस्थित कराने निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में जिले के अलग-अलग राजमार्गो में घटित विभिन्न सड़क दुर्घटना में घायलों की मद्द करने वाले 05 गुड सेमेरिटन (नेक व्यक्तियों) को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला रायपुर डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा मोंमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया साथ ही इनका शहर के प्रमुख मार्गो एवं चौराहों में होर्डिंग में लगाकर प्रचार-प्रसार करने निर्देशित किया गया।

माह फरवरी एवं मार्च 2025 मे सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वाले गुड सेमेरिटन में7 प्रफुल साहू पिता जगदीश साहू, ग्राम रीवा, थाना मंदिर हसौद द्वारा 18 जनवरी 2025 को मंदिर हसौद में अज्ञात वाहन से दुर्घटनाग्रस्त मो0सा0 का चालक एवं सवार घायल अवस्था में पड़ा मिला जिसकी सूचना तत्काल डायल 112 के माध्यम से पुलिस के सहयोग से उपचार हेतु हास्पिटल भेज कर घायल की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गौरव भारती पिता पन्ना भारती, ग्राम छतौना, थाना मंदिर हसौद द्वारा 04 फरवरी 2025 को ग्राम सेरीखेड़ी में पैदल यात्री को कार द्वारा ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया था जिसे तत्काल डायल 112 के माध्यम से पुलिस के सहयोग से उपचार हेतु हास्पिटल भेज कर घायल की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गुलशन बंजारे पिता मोहन बंजारे, ग्राम गोढ़ी थाना मंदिर हसौद द्वारा 06 मार्च 2025 को ग्राम उमरिया के पास कार डिवाइडर से टकराकर पलट गया था जिसमें सवार व्यक्तियों को गंभीर चोट आने पर तत्काल डायल 112 के माध्यम से पुलिस के सहयोग से उपचार हेतु हास्पिटल भेज कर घायलों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गागेन्द्र सिंह राजपूत पिता नोहर सिंह राजपूत, कृषक नगर जोरा रायपुर द्वारा 13 फरवरी 2025 को अम्लेश्वर महादेव घाट के पास कार चालक अनियंत्रित होकर पलट गया था जिसमें सवार 03 व्यक्तियों को गंभीर चोट आने पर तत्काल अपने स्वयं के वाहन से रामकृष्ण हास्पिटल पहुंचाकर घायलों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रविन्द्र सिंह पिता रघुवीर सिंह, रावांभाठा, थाना खमतराई रायपुर द्वारा 11 फरवरी 2025 को रावांभाठा में मो0सा0 चालक अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर कर घायल हो गया था जिसे तत्काल डायल 112 के माध्यम से पुलिस के सहयोग से उपचार हेतु हास्पिटल भेज कर घायलों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदाय करने के उपरांत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ। लाल उमेद सिंह द्वारा उक्त सभी गुड सेमेरिटन (नेक व्यक्ति) को भविष्य में भी इसी प्रकार से घायलों की सहायता करते रहने एवं अपने आस-पास के लोगों को भी घायलों की जान बचाने हेतु आगे आने के लिए प्रेरित करने कहा गया। इस दौरान उपस्थित अधिकारी गणों को इनके द्वारा किये गये उत्कृष्ठ कार्य का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार हेतु शहर के प्रमुख चौक-चौराहा जयस्तंभ चौंक, कलेक्ट्रेट गेट, मरीन ड्राइव तेलीबांधा तालाब, श्रीराम मंदिर के पास एवं बस स्टैण्ड भाठागांव में होर्डिंग लगाने निर्देशित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर डॉ। प्रशांत शुक्ला, उप पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर गुरजीत सिंह एवं सतीश ठाकुर उपस्थित रहें।

5 महिला नक्सलियों ने किया सरेंडर

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में 5 महिला नक्सलियों ने हथियार के साथ सरेंडर किया है। सभी माओवादियों पर 1-1 लाख रुपए का इनाम घोषित है। साल 2025 में अब तक 87 बड़े-छोटे कैडर के माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। जानकारी के मुताबिक, यह सभी महिला नक्सली माड़ डिवीजन कुतुल-नेलनार-परलकोट एरिया कमेटी के हैं। आत्मसमर्पण करने पर सभी को प्रोत्साहन राशि 25 हजार रुपए का चेक दिया गया। उन्हें नक्सल उन्मूलन नीति के तहत मिलने वाली सभी तरह की सुविधाएं दी जाएगी। इन नक्सलियों ने किया सरेंडर, सभी 1-1 लाख इनामी लक्ष्मी वंजामी (19) नारायणपुर के ओरछा निवासी। पद- नेलनार एलओएस सदस्य। सन्नी उर्फजमली पोड़ियाम (30) धनोरा निवासी। पद- नेलनार एलओएस सदस्य। कुम्मे पोड़ियाम (19) निवासी ओरछा, पद- परलकोट जन मिलिशिया सदस्य। सुकाय पोड़ियाम (20) ओरछा निवासी। पद- कुतुल एलओएस सदस्य। अनिता उसेंडी (23) ओरछा निवासी। पद- नेलनार एरिया कमेटी रिकरूट।

नहर में मिली युवक की लाश, अकड़ गया था शरीर, हत्या या आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में राजीव नगर स्थित नहर में अज्ञात युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। शव पूरी तरह से अकड़ चुका था। फिलहाल जामुल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को राजीव नगर क्षेत्र में नहर में लाश मिलने से सनसनी मच गई। दरअसल मंगलवार दोपहर को एक शख्स पुल से गुजर रहा था तो उसकी नजर शव पर पड़ी। इसके बाद आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। लोगों ने जामुल पुलिस को सूचना दी तो टीम वहां पहुंची। देखते ही देखते आसपास के लोगों की भीड़ नहर के आसपास लग गई। इसके बाद पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाया।

शव पूरी तरह से अकड़ चुका था। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने बताया कि शव दो दिन पुराना हो सकता है। शव पर कोई चोट के निशान नहीं मिले है। हत्या है या आत्महत्या यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के गुमशुदा लोगों की पता साजी कर रही है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: व्यक्तिगत सूचना ::-

(रा.प्र.क. 202502101000018/अ-6/वर्ष 2024-25)

प्रति,

1. श्रीमती किरण देवी लोहिया पति दिनेश लोहिया निवासी-प्लाट नं. 21, लोहिया निवास, कैलाश नगर कुरूद भिलाई तह. व जिला दुर्ग

पक्षकार-

श्रीमती आशा देवी पति जितेन्द्र कुमार गुप्ता निवासी - सड़क 07. एसीसी कलोनी जामुल भिलाई भिलाई (छ.ग.)

विरुद्ध

अनावेदक- छ.ग. शासन

आपको सूचित किया जाता है इस न्यायालय का रा.प्र.कं. 202502101000018/अ-6/वर्ष 2023-24 आवेदक-श्रीमती आशा देवी पति जितेन्द्र कुमार गुप्ता निवासी-एसीसी कालोनी जामुल तह. व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1550/44 रकबा 0.040 हे./600 वर्गफीट भूमि को रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर दिनांक 12.09.2022 के आधार पर विक्रेता श्रीमती किरण देवी लोहिया पति दिनेश लोहिया निवास-कैलाश नगर कुरूद भिलाई के तरफ से आम मुख्तबार अजय गुप्ता आ. स्व. कांति गुप्ता कय किया गया है, कि रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनांमा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में आपको किसी प्रकार के. दावा करना हो तो स्वयं या आपके द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से पेशी दिनांक 24/04/2025 को दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/04/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

बंजारा समाज का रहा है समृद्धशाली इतिहासः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय विश्व बंजारा दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय बंजारा सेवा संघ छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित विशाल बंजारा महाकुंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बंजारा समाज का इतिहास बहुत समृद्धशाली रहा है। बहुत पहले से यह समाज व्यापार से जुड़ा रहा है। देश की स्वतंत्रता में भी बंजारा समाज का उल्लेखनीय योगदान रहा है।

मुख्यमंत्री का बंजारा समाज द्वारा पारम्परिक बंजारा पोशाक पहना कर सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री को बंजारा समाज द्वारा प्रकाशित पुस्तिका भी भेंट की गयी। बंजारा समाज की महिलाओं ने पारम्परिक लड़ी नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विशाल बंजारा महाकुंभ कार्यक्रम की शुरुआत बंजारा समाज के आराध्य श्री गुरुनानक देव व सन्त सेवालाल महाराज व के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर के किया। उन्होंने बंजारा समाज को विश्व बंजारा दिवस 08 अप्रैल की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंजारा समुदाय बरसों से व्यापार करता रहा है। पहले बैल के माध्यम से बंजारा समाज व्यापार के सामान दूर-दूर तक ले जाता था। मुझे बंजारा समाज के आदरणीय लखी शाह जी के योगदान का स्मरण हो रहा है। बताते हैं कि उनके पास दो लाख बैल थे और उनके हर कारवां में सैकड़ों बैल होते थे, वे रावलपिंडी से काबुल-कंधार तक यात्रा करते थे। उस जमाने में दिल्ली के चांदनी चौक में बड़ी जमीन उनके पास थी।धन-दौलत के भंडार होने के बावजूद वे हमेशा विनम्र रहे और परोपकार में अपना धन खर्च किया। उन्होंने 95 साल की उम्र में औरंगजेब की सेना का प्रतिरोध किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा बंजारा समाज से घनिष्ठ संबंध रहा है। मेरे गांव बगिया के आसपास मदनपुर, पत्थलगांव, हथगड़ा आदि अनेक गांव हैं, जहां बंजारा समाज के भाई-बंधु रहते हैं, वे सब मेरे आत्मीय हैं। ग्राम हथगड़ा में तो पूरा बंजारा समाज के लोग ही निवासरत है। जहां पूरा गांव कैटरिंग का काम करते है। आसपास के गांव में कोई भी कार्यक्रम होता है तो इसी गांव के लोगों को ही बुलाते है। छत्तीसगढ़ के बसना में भी बंजारा समाज के लोगों की बड़ी जनसंख्या है। बहुत खुशी की बात है कि आज यह महाकुंभ का आयोजन बंजारा समाज कर रहा है। ऐसे आयोजन से समाज को आपस मिलने-जुलने और एकजुट होने का अवसर मिलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को तेजी से पूरा किया जा रहा है। सरकार बनने के बाद हमने पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास को स्वीकृति दी। छत्तीसगढ़ में 70 लाख माताओं- बहनों को महतारी वंदन की राशि दी जा रही है। हमारा राज्य धान का कटोरा है। हम 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी कर रहे हैं। हमारे वनवासी भाई-बहनों को तेंदूपत्ता का प्रति मानक बोरा 5500 रुपये दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्री राम का ननिहाल है। रामलला दर्शन योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ वासियों को भगवान श्री रामलला का दर्शन कराया जा रहा है। अभी तक 22000 से ज्यादा श्रद्धालु भगवान रामलला का दर्शन कर चुके हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की भी शुरुआत शुरूआत की गई है। हम हर क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को आगे ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। यह बहुत गर्व की बात है कि राज्य बनने के बाद 25 वर्ष की यात्रा में छत्तीसगढ़ में हमने आईआईटी, आईआईएम, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, ट्रिपल आईटी जैसे शीर्ष संस्थाएं स्थापित हैं।

विशाल बंजारा महाकुंभ कार्यक्रम को महाराष्ट्र के मृदा व जल संरक्षण मंत्री श्री संजय राठौड़ ने कहा कि केरल से लेकर कश्मीर तक बंजारा समाज की एक बोली है। पूरे देश में बंजारा समाज के तीज-त्योहार, परंपरा, संस्कृति, खान-पान एक है। बंजारा समाज नैसर्गिक रूप से एक प्रकृति पूजक समाज है। हमारा समाज पूरे देश में फैला हुआ है। हर जगह यह अलग-अलग नामों से पहचाना जाता है। विशाल बंजारा महाकुंभ कार्यक्रम में श्रीश्री मंडल महंत स्वामी उमेशानन्द गिरी महाराज, महाराष्ट्र के राज्य मंत्री इंद्रनील नाइक, बसना विधायक सम्पत अग्रवाल, कर्नाटक के पूर्व सांसद उमेश जाधव, अखिल भारतीय बंजारा सेवा संघ के अध्यक्ष शंकर पवार, प्रदेश अध्यक्ष सदाशिव रामजी नायक, पिसी राठौड़, शीतल संजय राठौड़, मोहिनी ताई नायक सहित बड़ी संख्या में बंजारा समाज के लोग उपस्थित रहे।

आम जनता से नियमित संवाद करें अधिकारी : राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अधिकारी कार्यालयों में बैठे, आम जनता से मिले, उनसे नियमित संवाद करें। उनकी समस्याओं को जाने और उनका निराकरण करें। शासकीय सेवक जनता के सेवक होते है। उनकी समस्याओं को हल करना पहली प्राथमिकता है। राज्यपाल श्री डेका ने रायपुर के रेडक्रॉस हॉल, कलेक्ट्रेट में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की।

रायपुर जिले में किसी राज्यपाल इस तरह समीक्षा करने पहली बार आए है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि केन्द्र सरकार की फ्लैगशीप योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन आप लोगों के माध्यम से ही होगा। इस बैठक में जिले के विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके साथ ही, राज्यपाल ने कलेक्ट्रेट परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। इस दौरान उन्होंने जिले की प्रमुख समस्याओं जैसे ट्रैफिक जाम, पेयजल की स्थिति, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और अन्य मुद्दों पर गहन चर्चा की। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य समस्याओं को उजागर करना नहीं, बल्कि उनके समाधान के लिए ठोस कदम सुझाना और लागू करना है।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने रायपुर की मूलभूत समस्याओं के बारे में पूछा और कहा कि राजधानी रायपुर में पेयजल की कमी, ट्रैफिक जाम और ड्रग्स तीन बड़ी समस्याएं है। उन्होंने इन मुद्दों को जिले के विकास में बाधा बताया और अधिकारियों से इनके समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी मांगी।

राज्यपाल ने इस पर जोर दिया कि ट्रैफिक सुधार का मकसद सिर्फ चालान काटना नहीं, बल्कि लोगों को यातायात के लिए शिक्षित करना है। इसको मिशन की तरह ले. उन्होंने सुझाव दिया कि बाएं मोड़ (लेफ्ट टर्न) को आसान बनाया जाए, रेलवे फाटकों पर डिवाइडर लगाए जाएं ताकि दुर्घटनाएं कम हों, और स्टंट करने वाली तेज रफ्तार टू-व्हीलर गाड़ियों पर सख्ती से कार्रवाई हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे किसी भी दबाव में न आएं और नियमों का सख्ती से पालन करवाएं। राज्यपाल श्री डेका ने अधिकारियों से पूछा कि जलसंचयन के लिए ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में कितना काम हुआ है और बरसात के बाद इसका मापन कर स्थिति बताने को कहा। उन्होंने यह भी पूछा कि जिले में 149 डबरी हैं, इनका क्या हाल है। जल की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि रायपुर जिले में पेयजल में कौन से खनिज मुख्य रूप से मिलते हैं। पीएचई के अधिकारी ने बताया कि यहां पानी में फ्लोराइड और आयरन की समस्या पाई गई है। राज्यपाल ने आईआईटी गुवाहाटी के सहयोग से विकसित प्रोटोटाइप का जिक्र करते हुए निर्देश दिया कि धरसीवां के एक गांव में पायलट प्रोजेक्ट की तरह फ्लोराइड और आयरन हटाने के लिए यह प्लांट लगाया जाए। उन्होंने क्रेडाई द्वारा रायपुर के शासकीय भवनों में बनाए गए जल संग्रहण रिचार्ज पिट की तारीफ की और कहा कि ऐसे छोटे प्रयासों से बड़ी सफलता मिल सकती है।

बच्चों और युवाओं में नशे की समस्या पर राज्यपाल ने गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र के अलावा अस्पताल, और मनोवैज्ञानिक की मदद से भी युवाओं को नशे की लत से निकालने की कोशिश की जानी चाहिए।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण पर जोर देते हुए राज्यपाल ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों से पूछा कि क्या उन्होंने पेड़ लगाया है। उन्होंने कहा कि पेड़ों के जीवित रखने का भी प्रयास करें। उन्होंने उद्योगो को पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया। स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, कार्यालय, अस्पताल आदि स्थानों में जहां भी जगह हो पेड़ लगाएं।

श्री डेका ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विशेष प्रयास करने पर बल दिया। स्कूल के समय में डम्पर चालन को रोकें, दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया जाए।

श्री डेका ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग और पानी के रिसाइकिलिंग के लिए किए जा रहे कार्यो की जानकारी ली। सभी शासकीय कार्यालयों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

श्री डेका ने कृषि विभाग के अधिकारी से पूछा कि जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए क्या कर रहे है। कृषि उत्पादन के वेल्यू एडिशन पर जोर दिया और कहा कि बाड़ी कल्चर बढ़ाने से देश की आय बढ़ेगी।

श्री डेका ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा पर बल दिया गया है। स्कूलों में हितधारकों की नियमित बैठक करे और मातृभाषा में पढ़ाई के लिए पालकों और शिक्षकों को प्रोत्साहित करें ,इसी में देश का भविष्य है। स्कूल, कॉलेजों में समुदाय के सहयोग से उन्नत लाइब्रेरी निर्माण पर भी उन्होंने बल दिया। श्री डेका ने कहा कि भिक्षा वृत्ति को रोकने के लिए समाजसेवी संस्थाओं का सहयोग ले। कुष्ठ रोगियों के लिए कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करे।

जशपुर में फलों की खेती को दे बढ़ावाः वित्त मंत्री चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री और जशपुर जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम जनमन योजना, मनरेगा के कार्य, पुराने सड़कें पूल-पुलियां के लंबित कार्य, पशुपालन, मोबाइल टावर की समस्या, रेल परियोजना, मेडिकल कालेज, भूमि का चिन्हांकन सहित अन्य योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केन्द्र शासन और राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में से है। जरूरतमंद लोगों को इस योजना का लाभ प्राथमिक से देना है। उन्होंने कहा कि जून तक सभी स्वीकृत आवासों का निर्माण हर हाल में पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने धरती आबा योजना और पीएम जनमन योजना से भी विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों को लाभान्वित करने के निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी परिवार इससे वंचित न रहे।

इस अवसर पर सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जुदेव, नगर पालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जुदेव, मुख्यमंत्री सचिव राहुल भगत, जिले के प्रभारी सचिव अंबलगन पी, जनसंपर्क आयुक्त डॉ. रवि मित्तल, कलेक्टर रोहित व्यास, एसएसपी शशि मोहन सिंह और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि जशपुर जिला मुख्यमंत्री का गृह जिला है, यहां सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को समन्वय से काम करना होगा। श्री चौधरी ने कहा कि किसी भी योजना का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन करने में जनपद पंचायत सीईओ, अधिकारियों और उनके अमले की बड़ी भूमिका रहती है। उन्होंने लंबित विकास एवं निर्माण कार्यों को भी शीघ्रता से पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि जशपुर की जलवायु फल-फूल, लीची, मछली पालन के लिए उपयुक्त है। किसानों की आय को बेहतर बनाने के लिए उन्हें इसकी व्यवसायिक खेती के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

मंत्री श्री चौधरी ने पत्थलगांव विकास खंड के बागबहार में बिजली की समस्या के साथ ही मोबाइल टावर की समस्या का निदान करने के निर्देश दिए। रेत के अवैध उत्खनन में संलिप्त लोगों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही के भी निर्देश दिए।

पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय और जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय ने भी बैठक में जन सरोकार से संबंधित मामलों पर अपनी बात रखी।

समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए 'सुशासन तिहार' शुरू

लोग अपनी समस्याओं के निवारण और जरूरतों की पूर्ति के लिए आगे आकर कर रहे आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के लोगों तक विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्य में 'सुशासन तिहार' आज से प्रारंभ हो गया है। सुशासन तिहार के माध्यम से प्रथम चरण में आम नागरिकों की जरूरतों, समस्याओं, शिकायतों का समाधान करने आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। राज्य शासन द्वारा इस दौरान पारदर्शिता, जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

कोरबा जिले में भी आज से सभी नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन तिहार का आयोजन प्रारंभ हो गया है। नागरिक अपनी जरूरतों को पूरा करने उत्साहपूर्वक स्वस्फूर्त्त आवेदन करने पहुँच रहे हैं। मौके पर मौजूद अधिकारी-कर्मचारी उनके आवेदन स्वीकार कर पावती प्रदान कर रहे हैं। कई आवेदक खुद अपने आवेदन समाधान डिब्बे में डाल रहे हैं। आमजनो को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान कर योजनाओं से जुड़ने हेतु प्रक्रिया से अवगत भी कराया जा रहा है। नगरीय निकायों के सभी जोन कार्यालयों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन तिहार हेतु आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की गई है। निगरानी हेतु विभिन्न अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर दायित्व सौंपा गया है। हर गांव और शहर में मुनादी कराकर लोगों के बीच इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया है।

कोरबा विकासखंड के कोरकोमा पंचायत में आयोजित सुशासन तिहार में आज सुबह से ही ग्रामीणों की कतार लगी रही। ग्रामीण शिविर स्थल पर पहुँचकर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आवेदन प्रस्तुत कर समाधान पेटी में स्वयं आवेदन जमा कर रहे थे। सुशासन तिहार का लाभ लेने आए कोरकोमा निवासी श्री अरदेसी सारथी व उसकी धर्मपत्नी रंगमती सारथी ने नए पीएम आवास व शौचालय के लिए आवेदन जमा किया। उन्होंने बताया कि जनहितैषी सरकार, आम नागरिकों की परेशानियों को अच्छे से समझती है, उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा सराहनीय पहल करते हुए पंचायतों में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीण समाधान पेटी में अपनी शिकायत जमा कर रहे हैं, जिसे प्रशासन द्वारा जांच कर तत्परता से निराकरण किया जाएगा।

कोरकोमा की दुरुपती सारथी ने भी आवास व शौचालय निर्माण के लिए आवेदन जमा किया। उसने बताया कि सरकार द्वारा आमजनों की परेशानियों के समाधान के लिए यह आयोजन किया गया है। इससे जरूरतमंद हितग्राही लाभान्वित होंगे। इसी प्रकार गोढ़ी व करतला विकासखण्ड के नोनबिर्रा पंचायत में भी सुशासन तिहार का आयोजन किया गया है। ग्रामीण शिविर में आकर अपनी जरूरतों की पूर्ति हेतु आवेदन जमा कर रहे हैं।

सुशासन तिहार को लेकर लोगों में उत्साह

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में से शुरू हुए सुशासन तिहार को लेकर लोगों में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिला। नगर पालिक निगम राजनांदगांव के विभिन्न वार्डों में निर्धारित स्थलों पर लगी समाधान पेटी में लोगों ने अपनी शिकायतों एवं समस्याओं एवं मांगों से संबंधित 729 आवेदन जमा किए। सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाना, जनसमस्याओं का त्वरित समाधान करना और शासन व नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है। इसी क्रम में 8 से 11 अप्रैल तक प्रथम चरण के अंतर्गत नगर निगम के सभी 51 वार्डों में आवेदन लेने की विशेष व्यवस्था निगम-प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गई है। वहां नगर निगम के कर्मचारी निर्धारित समय तक उपस्थित रहकर नागरिकों से आवेदन प्राप्त कर उन्हें विधिवत पावती प्रदान कर रहे हैं।

पहले दिन प्राप्त 729 आवेदनों में प्रमुख रूप से बिजली, पानी, स्वच्छता, प्रधानमंत्री आवास योजना, निर्माण कार्यों, अतिक्रमण तथा अन्य स्थानीय समस्याओं से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। महापौर श्री मधुसूदन यादव स्वयं विभिन्न वार्डों में पहुंचे और वार्डवासियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने नागरिकों से आवेदन लेकर उनकी समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की और आश्वस्त किया कि प्राप्त आवेदनों का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। महापौर श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन तिहार 2025 की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य जनसमस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना और शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है।

महापौर श्री यादव ने बताया कि प्रथम चरण में आवेदन जमा किए जा रहे हैं, द्वितीय चरण में प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाएगा और तृतीय चरण में 5 मई से 31 मई तक समाधान शिविरों का आयोजन कर जनसामान्य को समाधान से अवगत कराया जाएगा एवं योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950